WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित | सच्चाई के साथ

अर्जुन कपूर के बाद मलाइका अरोड़ा हुई कोरोना पॉजिटिव

वर्षः 01 अंक : 259 | लखनऊ, मंगलवार, 08 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

दूसरे दिन भी कोरोना के 90 हजार से अधिक नये मामले

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना की विकरालता थमने का नाम नहीं ले रही है और इसके प्रकोप के बढ़ते रफ्तार का अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि दो दिनों से लगातार 90 हजार से अधिक मामले सामने आये हैं हालांकि राहत की बात यह भी है कि इस बीमारी से निजात पाने वालों की संख्या भी करीब 70 हजार अथवा इससे अधिक के औसत पर बनी हुई है। इससे पहले रविवार को देश भर में कोरोना संक्रमण के 90,632 मामले आये थे। संक्रमितों की संख्या 42 लाख से अधिक होने के बाद इस महामारी से प्रभावित देशों की सूची में भारत अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है। अमेरिका में संक्रमितों का आंकड़ा अभी 62,75,643 पर पहुंच गया है जबकि तीसरे स्थान पर ब्राजील में यह संख्या 41,37,521 है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 90,802 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 42,04,613 हो गया। इसी अवधि में 69,564 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिससे कोरोना से मुक्ति पाने वालों की संख्या 32,50,429 हो गयी है।

स्वस्थ होने वालों की तुलना में संक्रमण के नये मामले अधिक होने से सक्रिय मामले 20,222 बढ़कर 8,82,542 हो गये हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान देश में 1,016 संक्रमितों की मौत होने से मृतकों की संख्या 71,642 हो गयी। देश में सक्रिय मामले 20.99 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 77.31 प्रतिशत है जबकि मृत्यु दर 1.70 प्रतिशत है। कोविड-19 से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों

की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है और यह 15,196 बढ़कर 2,36,208 हो गयी तथा 328 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 26,604 हो गया। इस दौरान 7826 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 6,44,400 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 1191 कम होने से सक्रिय मामले 99,689 रह गये। राज्य में अब तक 4417 लोगों की मौत हुई है। वहीं कुल 3,94,019 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 351 की वृद्धि हुई है और यहां अब 99,285 सक्रिय मामले हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में भी इस दौरान 1662 मरीजों की वृद्धि हुई है जिससे सक्रिय मामले 61,625 हो गये हैं तथा इस महामारी से 3920 लोगों की मौत हुई है जबकि 2,00,738 मरीज ठीक हुए हैं। तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 51,458 हो गयी है तथा 7836 लोगों की मौत हुई है। वहीं राज्य में अब तक 4,04,186 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। तेलंगाना में कोरोना के 31,635 सक्रिय मामले हैं और 895 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 1,10,241 लोग इस महामारी से ठीक हुए है। ओडिशा में सक्रिय मामले 27,121 हो गये हैं और 546 लोगों की मौत हुई है जबकि रोगमुक्त लोगों की संख्या 96,364 हो गयी है। पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस के 23,218 सक्रिय मामले हैं तथा 3562 लोगों की मौत हुई है, वहीं अब तक 1,54,008 लोग स्वस्थ हुए हैं। केरल में सक्रिय मामले 22,743 हो गये तथा 347 लोगों की मौत हुई है जबकि स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 64,751 हो गयी है। राजधानी दिल्ली में इस दौरान सक्रिय मामले 1039 बढ़ने से यह संख्या 2,09,09 हो गयी है। वहीं संक्रमण के कारण मरने वालों की संख्या 4567 हो गयी है तथा अब तक 1,65,973 मरीज रोगमुक्त हुए हैं। बिहार में सक्रिय मामले 16,443 हो गये हैं। राज्य में 750 लोगों की मौत हुई है जबकि 1,30,485 लोग संक्रमणमुक्त भी हुए हैं। गुजरात में सक्रिय मामले 16,334 हैं तथा 3105 लोगों की मौत हुई है और 84,631 लोग इस बीमारी से स्वस्थ भी हुए हैं। इसके बाद पंजाब में सक्रिय मामलों की संख्या 16,156 हो गयी है तथा संक्रमण से निजात पाने वालों की संख्या बढ़कर 45,455 हो गयी है जबकि अब तक 1862 लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना महामारी से अब तक मध्य प्रदेश में 1572, राजस्थान में 1137, हरियाणा में 806, जम्मू-कश्मीर में 784, झारखंड में 469, छत्तीसगढ़ में 380, असम में 360, उत्तराखंड में 341, पुडुचेरी में 314, गोवा में 236, त्रिपुरा में 149, चंडीगढ़ में 71, हिमाचल प्रदेश में 55, अंडमान निकोबार द्वीप समूह में 50, मणिपुर में 38, लद्दाख में 35, मेघालय में 16, नागालैंड में 10, अरुणाचल प्रदेश में आठ, सिक्किम में पांच तथा दादर-नागर हवेली एवं दमन-दीव में दो लोगों की मौत हुई है।

राज्य अपना पर्यावरण बजट बढ़ायें: प्रकाश जावडेकर

नयी दिल्ली, एजेंसी। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावडेकर ने प्रदूषण कम करने के लिए राज्यों से अपना पर्यावरण बजट बढ़ाने तथा आम लागों से सहयोग की आज अपील की। 'नील गगन के लिए स्वच्छ वायु' अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर एक वेबीनार में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पर्यावरण सचिवों तथा देश के सबसे प्रदूषित 122 शहरों के स्थानीय निकाय आयुक्तों को संबोधित करते हुये श्री जावडेकर ने कहा ÷राज्यों को भी प्रदूषण के खिलाफ काम करने के लिए बजट बढ़ाना होगा। पिछले 10 साल में राज्यों का वन के लिए बजट कम हो रहा है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत चिह्नित 122 शहरों में से अधिकतर में निगम निकाय हैं। उन्हें ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। हर शहर में प्रदूषण का मुख्य कारण अलग-अलग

है और इसलिए उन्हें उसी हिसाब से विशेष योजना तैयार करनी होगी। उन्होंने कहा कि इस काम में लोगों को भी जुड़ना होगा। उन्हें चाहिये कि वे डीजल या पेट्रोल वाहन की जगह इलेक्ट्रिक वाहनों का अधिक से अधिक उपयोग करें, सार्वजनिक वाहनों में सफर करें, बिजली और पानी बचायें तथा पेड़-पौधे लगायें। उन्होंने लोगों से एक किलोमीटर तक जाने के लिए साइकिल का इस्तेमाल करने या पैदल जाने की अपील की। पर्यावरण मंत्रालय ने वर्ष 2022 तक हवा में मौजूद सूक्ष्म धूलकणों पीएम-10 और पीएम-2.5 की मात्रा 20 से 30 प्रतिशत तक कम करने का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस साल स्वतंत्रता दिवस संबोधन में अगले चार साल में 122 शहरों में प्रदूषण में बड़े पैमाने पर कमी लाने की घोषणा की थी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आँकड़ों के अनुसार, 122 चिह्नित शहरों में से 48 में प्रदूषण स्वीकार्य स्तर की तुलना में दुगुने से भी अधिक है। अन्य 39 शहरों में प्रदूषण स्वीकार्य स्तर से 51 से 100 प्रतिशत अधिक है। तेईस शहरों में प्रदूषण स्वीकार्य स्तर से से 20 से 50 प्रतिशत ज्यादा है जबकि शेष 12 शहरों में यह स्वीकार्य स्तर से 19 प्रतिशत तक ज्यादा है।

दिल्ली मेट्रो का सफर बहाल यात्रियों की संख्या रही कम

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन समयपुर बादली-हुडा सिटी सेंटर और गुरुग्राम रैपिड मेट्रो की सेवाएं 169 दिनों बाद सोमवार सुबह यात्रियों को फिर मिलीं लेकिन इसे लेकर यात्रियों में कोई खास उत्साह नजर नहीं आया और सुबह सात बजे से अपराह्न 11 बजे तक मात्र 7500 यात्रियों ने ही सफर किया। डीएमआरसी ने जारी एक बयान में कहा कि उसे यात्रियों की तरफ से पूरा सहयोग मिला और यात्रियों ने सामाजिक दूरी तथा स्वच्छता संबंधी मानकों का पूरा पालन किया। मेट्रो सेवाओं को शाम को चार बजे फिर शुरू किया जाएगा और यह सेवा रात आठ बजे तक उपलब्ध रहेगी। वैश्विक महामारी कोरोना के प्रकोप के कारण ऐहतियात के तौर पर मेट्रो सेवाएं 22 मार्च से बंद थी। डीएमआरसी ने कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर स्टेशन के भीतर साफ-सफाई के बेहतर इंतज़ाम किये हैं, हालांकि सुबह यात्रियों की अधिक भीड़ नहीं देखी गई और अधिकतर कोच में कम ही यात्री थे।

कोविंद, मोदी और निशंक ने नयी शिक्षा नीति को देश को बदलने वाला बताया

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल तथा राज्यपालों ने नयी शिक्षा नीति को केवल दस्तावेज नहीं बल्कि देश को बदलने वाला और लोगों की आकांक्षाओं को व्यक्त करने वाली नीति बताया है और कहां है कि इससे आत्मनिर्भर भारत बनाने में मदद मिलेगी इस नीति से न केवल भारत विश्व में ज्ञान की महाशक्ति बनेगा बल्कि वह वैश्विक ब्रांड भी बनेगा। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने नयी शिक्षा नीति पर राज्यपालों के सम्मेलन का आज यहां वीडियो कांफ्रेंस के जरिए उद्घाटन करते हुए कहा कि शिक्षा नीति 21वीं सदी में देश के लोगों विशेष कार्य को की जरूरतों और आकांक्षाओं को पूरा करेगी। इसे लागू करने में राज्यपालों को महत्वपूर्ण भूमिका

निभानी पड़ेगी। श्री कोविंद ने कहा कि यह शिक्षा नीति ढाई लाख ग्राम पंचायतों, 12,500 स्थानीय निकायों और 675 जिलों में व्यापक विचार विमर्श करने के बाद तैयार हुई है और अब राज्यों के विश्वविद्यालयों के चांसलर यानी राज्यपालों को इसे लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। उन्होंने कहा कि देशभर में राज्यों के करीब 400 प्रांतीय विश्वविद्यालय हैं जिन से करीब 40,000 कॉलेज अंगीभूत हैं इसलिए चान्सलर के रूप में राज्यपालों की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि नयी शिक्षा नीति में शिक्षकों को भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है और अगले वर्ष शिक्षकों के लिए एक पाठ्यक्रम तैयार किया जाएगा उन्होंने कहा कि आज देश में पांच प्रतिशत से भी कम कार्यबल को व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त है जबकि पश्चिमी देशों में यह प्रतिशत काफी अधिक है इसलिए नयी शिक्षा नीति इस बात पर अधिक ध्यान देगी और कौशल विकास को बढ़ावा देगी। राष्ट्रपति ने कहा कि नयी शिक्षा नीति केंद्र और राज्य के बेहतर तालमेल और योगदान पर निर्भर करती है क्योंकि शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची में शामिल है। उन्होंने राज्यपालों को सलाह दी कि वह नीति को लागू करने के लिए वर्चुअल सम्मेलन आयोजित करें।

कंगना रनौत को मिलेगी 'वाई' श्रेणी सुरक्षा

नयी दिल्ली, एजेंसी। फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले की निष्पक्ष जांच की मांग तथा मुंबई पुलिस और बॉलीवुड हस्तियों पर विवादित टिप्पणियों को लेकर सुर्खियों में छाई अभिनेत्री कंगना रनौत पर खतरे की स्थिति के आकलन के बाद केंद्र ने सोमवार को उन्हें 'वाई' श्रेणी सुरक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया। 'वाई' श्रेणी सुरक्षा के तहत कंगना मुंबई में रहने के दौरान दो कमांडो और 11 सुरक्षा कर्मियों के घेरे में रहेंगी। कंगना ने इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त किया है।

तिब्बती जवान की अंतिम विदाई में शामिल हुए राम माधव

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन के बीच महीनों से जारी सीमा गतिरोध के बीच बीजेपी के महासचिव राम माधव सोमवार को स्पेशल फ्रंटियर फोर्स (स्न्नस्न्न) के तिब्बती सैनिक नीमा तेंजिन के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। राम माधव ने अंतिम संस्कार में शामिल होकर चीन को कड़ा संदेश दिया। राम माधव के साथ बीजेपी के सांसद सेरिंग नामग्याल ने भी जवान नीमा तेंजिन के अंतिम संस्कार में भाग लिया। नीमा को पूरे सम्मान के साथ सुबह 7:30 पर अंतिम विदाई दी गई। अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद राम माधव वापस दिल्ली लौट गए। बीजेपी महासचिव ने अंतिम संस्कार की कुछ तस्वीरें भी अपने ट्विटर अकाउंट पर पोस्ट की थीं, लेकिन बाद में उन्हें डिलीट कर दिया। माधव ने ट्वीट किया, एसएफएफ के नीमा तेंजिन के अंतिम संस्कार में शामिल हुआ। तिब्बती जवान ने अपना जीवन लद्दाख में सीमा की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया।

सरकार के पास किसी संकट का समाधान नहीं: राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार देश को संकट में तो पहुंचा देती है लेकिन समस्या के समाधान की उसके पास कोई योजना नहीं होती है। श्री गांधी ने सोमवार को यहां कहा कि यह सरकार समस्या का समाधान ढूंढने का प्रयास करने की बजाय गलत दौड़ में शामिल हो जाती है और गलत तरीके से अपनी उपलब्धियां गिनाने लगती है। कोरोना महामारी और वस्तु तथा सेवा कर-जीएसटी में भी वह यही कर रही है। उन्होंने ट्वीट कर कहा मोदी सरकार देश को संकट में पहुंचाकर समाधान ढूंढने की बजाए शुतुरमुर्ग बन जाती है। हर ग़लत दौड़ में देश आगे है- कोरोना

> मोदी सरकार देश को संकट में पहुंचाकर समाधान ढूंढने की बजाए शुतुरमुर्ग बन जाती है

संक्रमण के आंकड़े हो या जीडीपी में गिरावट। इसके साथ ही उन्होंने एक खबर भी पोस्ट की जिसमें लिखा है, कोरोना के बिगड़ते हालात, कफन के लिए लग रही है कतार, बेचने वाले बोले, जीवन में ऐसा पहली बार देखा।

एसबीआई में वीआरएस की योजना क्रूरता है:चिदम्बरम

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने सोमवार को मीडिया में देश के सबसे बड़े वाणिज्यिक बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति (वीआरएस) की रिपोर्टों पर घेरते हुए इसे क्रूर करार दिया है। मीडिया में 30190 कर्मचारियों के लिए वीआरएस की रिपोर्ट आई है। श्री चिदंबरम ने कहा, मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि एसबीआई 'आर्थिक उपाय' के रूप में वीआरएस योजना को लागू करने की योजना बना रही है। सामान्य समय में भी योजना विवादास्पद होती। इस विषम परिस्थिति में, जब अर्थव्यवस्था ढह गई है और नौकरियां कम हैं, यह क्रूरता है। उन्होंने आगे कहा, यदि भारत के सबसे बड़े ऋणदाता को नौकरियां घटानी है, तो कल्पना करें कि अन्य बड़े नियोक्ता और एमएसएमई क्या कर रहे हैं। यह योजना वैसे तो स्वैच्छिक है, लेकिन हम जानते हैं कि उन कर्मचारियों पर दबाव बनाया जाएगा जिनसे बैंक छुटकारा पाना चाहता है। यदि वर्तमान नियम, वास्तविक स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए पर्याप्त हैं, तो एक नयी योजना की घोषणा और 30,190 जैसी सटीक संख्या क्यों दी गई है?

आज भी गिरफ्तारी से बच गईं रिया

एनसीबी अब तक 14 घंटे कर चुकी है पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले रिया चक्रवर्ती से नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की दूसरे दिन की पूछताछ खत्म हो गई है। दूसरे दिन की लगभग 7-8 घंटे तक चली पूछताछ खत्म होने के बाद रिया चक्रवर्ती मुंबई में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ऑफिस से अपने घर के लिए निकल चुकी हैं। रिया चक्रवर्ती को एनसीबी ने तीसरे दिन की पूछताछ के लिए मंगलवार को फिर से ऑफिस बुलाया है। इस मामले में रिया से रविवार को एनसीबी ने पहली बार करीब छह घंटे की पूछताछ की थी। 28 वर्षीय अभिनेत्री सोमवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे बल्लार्ड एस्टेट स्थित एनसीबी दफ्तर पहुंचीं। वह पुलिस कर्मियों के साथ वहां पहुंचीं थी। उनके पास एक बैग भी था। एनसीबी ने कहा था कि जब रिया पूछताछ के लिए पेश होंगी तो वह उनके छोटे भाई शौविक चक्रवर्ती (24), राजपूत के हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा (33) और राजपूत के निजी स्टाफ

सदस्य दीपेश सावंत से उनका आमना-सामना कराना चाहती है, जिससे इस कथित मादक पदार्थ गिरोह में सभी की भूमिकाएं स्पष्ट हो सकें। गौरतलब है कि एजेंसी को मोबाइल फोन चैट रिकॉर्ड तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक डेटा हासिल हुआ था जिसमें प्रतिबंधित मादक पदार्थ की खरीद में इन लोगों की संलिप्तता सामने आई थी। इससे पहले रिया से प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई भी पूछताछ कर चुकी हैं।रिया ने कई समाचा र चैनलों को दिए साक्षात्कार में कहा था कि उन्होंने खुद कभी मादक पदार्थ का सेवन नहीं किया है। उन्होंने दावा किया था कि सुशांत सिंह राजपूत मारिजुआना का सेवन करते थे। एजेंसी ने इस बीच अंजू केशवानी नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। कैजन इब्राहीम से पूछताछ के दौरान केशवानी का नाम सामने आया था। कैजन को मामले में पहले गिरफ्तार किया गया था। एजेंसी ने रविवार को केशवानी के ठिकानों पर छापेमारी कर कथित तौर पर हशीश, एलएसडी, मारिजुआना और कुछ नकद भी बरामद किया था। एनसीबी ने अब तक इस मामले में अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से सात इस जांच से सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं जबकि दो को उसने एनडीपीएस कानून की धाराओं के तहत जांच शुरू होने के बाद गिरफ्तार किया। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत 14 जून को उनके बांद्रा स्थित अपार्टमेंट में मृत मिले थे।

पैंगोंग में भारतीय सेना से मुंह की खाने के बाद चीनी राष्ट्रपति नाराज

हांगकांग, एजेंसी। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पैंगोंग सो क्षेत्र में गतिरोध वाले स्थल पर 29-30 अगस्त की रात भारतीय सेना की कार्रवाई राष्ट्रपति शी जिनपिंग को रास नहीं आई है। बॉर्डर पर भारतीय सेना की कार्रवाई से शी जिनपिंग कथित तौर पर नाराज बताए जा रहे हैं। एलएसी पर भारतीय सेना की कार्रवाई से चीनी कम्युनिस्ट पार्टी भी खुश नहीं है। इससे पहले 15 जून को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का 67वां जन्मदिन था। तब भी गलवान घाटी में 15 जून की रात को ही भारत और चीन की सेना बीत झड़प हुई थी। इसमें चीन की सेना को भारी नुकसान हुआ था, हालांकि चीन ने कभी इसको स्वीकार नहीं किया और ना ही कोई आंकड़ा सामने आया। जन्मदिन के मौके पर चीनी सेना को हुए नुकसान का असर जिनपिंग के चेहरे पर साफ देखने को मिला था।

रक्षा क्षेत्र में बड़ी कामयाबी

भारत ने हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी हासिल की

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत ने हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी डेमोन्स्ट्रेटर (एचएसटीडीवी) देश में तैयार करने में कामयाबी हासिल की है। इसे डीआरडीओ ने तैयार किया है। ओडिशा के बालासोर स्थित एपीजे अब्दुल कलाम रेंज में सोमवार को इसका परीक्षण सफल रहा। इसे स्क्रैमजेट (तेज रफ्तार) इंजन की मदद से लॉन्च किया गया। भारत यह तकनीक हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है।

इससे पहले अमेरिका, रूस और चीन भी यह तकनीक तैयार कर चुके हैं। रक्षा मंत्री ने ट्वीट किया, मैं प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के विजन को पूरा करने और यह उपलब्धि हासिल करने के लिए रक्षा अनुसंधान और विकास संस्थान (डीआरडीओ) की टीम को बधाई देता हूं। मैंने इस प्रोजेक्ट से जुड़े वैज्ञानिकों से बात की है और उन्हें बधाई दी। भारत को उन पर गर्व है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक,

भारत अब अगले पांच साल में हाइपरसोनिक मिसाइल तैयार कर सकेगा। हाइपसोनिक मिसाइलें एक सेकंड में 2 किमी तक वार कर सकती हैं। इनकी रफ्तार ध्वनि की रफ्तार से 6 गुना यादा होती है। भारत में तैयार होने वाली हाइपरसोनिक मिसाइलें देश में तैयार की गई स्क्रैमजेट प्रपुल्सन सिस्टम से लैस होंगी। इस प्रोजेक्ट की अगुआई डीआरडीओ प्रमुख जी सतीश रेड्?डी और उनकी हाइपरसोनिक मिसाइल टीम ने की। इसे सोमवार सुबह 11.03 बजे लॉन्च किया गया। टेस्टिंग की प्रक्रिया करीब पांच मिनट तक चली। परीक्षण में यह लॉन्च व्हीकल कंबशन चेम्बर प्रेशर, एयर इन्टेक और कंट्रोल जैसे मापदंडों पर सही पाया गया।

नीरव मोदी केस में सुनवाई शुरू

लंदन, एजेंसी। पंजाब नेशनल बैंक से करीब दो अरब डॉलर की धोखाधड़ी और धनशोधन के मामले में भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के प्रत्यर्पण के मुकदमे की पांच दिन की सुनवाई सोमवार को ब्रिटेन की अदालत में शुरू हो गई। मोदी पिछले साल मार्च में अपनी गिरफ्तारी के बाद से ही लंदन की एक जेल में सलाखों के पीछे हैं। वह वीडियो लिंक के जरिए पेश हुआ, जिसमें उसने गहरे रंग का सूट पहना हुआ था और उसकी दाढ़ी थी। मुकदमे का दूसरा चरण वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट अदालत में जारी है। वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सोमवार को नीरव मोदी की डिफेंस टीम की याचिका को ठुकरा दिया, जिसमें अपने गवाह उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अभय थिप्से के अगले बयान को गुप्त रखने की मांग की थी। केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने मई में पहली गवाही के बाद थिप्से पर बगैर सोचे-समझे प्रतिक्रिया व्यक्त करने का आरोप लगाया था।

उत्तर प्रदेश में अपराधी और अपराध अनलॉक, पुलिस और सरकार पूरी तरह लॉक डाउन की स्थिति में: धीरज गुर्जर

■ हत्या, बलात्कार, दलित बच्चियों के साथ गैंगरेप बना उत्तर प्रदेश का हस्ताक्षर, कानून का राज हुआ जमींदोज- धीरज गुर्जर ■ योगी राज के 'रामराज्य' में हत्यारे और अपराधी बेखौफ महिलाओं को सुरक्षा देने में पूरी तरह विफल योगी सरकार- आराधना मिश्रा 'मोना' ■ उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था वेंटिलेटर पर, टीम-11 जारी कर रही है झूठे आंकड़े: दीपक सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कोरोना महामारी में योगी सरकार द्वारा एक तरफ जहां आम जनता के जीवन को उसके भाग्य भरोसे छोड़ दिया है वहीं सरकार और पुलिस की अर्कमण्यता के चलते रोजाना अपराधों की बाढ़ में जनता समाती जा रही है। बलात्कार और जघन्य हत्या की घटनाओं से योगी सरकार के रामराज्य की कलई खुल गयी है। उ0प्र0 बलात्कारियों और अपराधियों का हब बन चुका है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं सहप्रभारी उ0प्र0 श्री धीरज गुर्जर ने आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि उ0प्र0 में अपराध और कोरोना में होड़ सी मची हुई है। अपराधी मनबढ़ हो चुके हैं पुलिस का इकबाल ध्वस्त हो चुका है। मुख्यमंत्री जी सहित पूरी सरकार और पुलिस न तो कोरोना पर प्रभावी नियंत्रण कर पा रही है और न ही अपराधियों पर उसका नियंत्रण रह गया है। सरकारी अस्पताल सफेद हाथी साबित हो रहे हैं और गरीब जनता निजी अस्पतालों की लूट का शिकार हो रही है। जिस प्रकार अपराधी प्रदेश में घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं, एक-एक जनपद में तिहरी हत्याएं हो रही हैं, पुलिस कस्टडी में मौतें हो रही हैं, नाबालिग बच्चियों के साथ गैंगरेप और जघन्य हत्या की घटनाएं हो रही हैं, उससे यह पूरी तरह साफ है कि योगी सरकार का सरकार पर नियंत्रण नहीं रह गया है। उन्होने कहा कि उ0प्र0 में अपराधी अनलॉक स्थिति में और सरकार व पुलिस लॉकडाउन स्थिति में है। कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता श्रीमती आराधना मिश्रा'मोना' ने कहा कि महिलाओं के साथ हो रही रोजाना हिंसा, बलात्कार, गैंगरेप, हत्या, उत्पीड़न

की घटनाएं साफ इशारा करती हैं कि प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची है प्रदेश बलात्कारियों का अड्डा बन चुका है। लखनऊ, लखीमपुर, सीतापुर, गोरखपुर, आगरा, प्रतापगढ़, कुशीनगर आदि दर्जनों जनपदों की घटनाएं इसका जीता जागता उदाहरण हैं। उन्होने आगे कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली भाजपा की सरकार में बच्चियां सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। महिलाओं और बच्चियों को सुरक्षा देने में योगी सरकार पूरी तरह विफल है। क्या तथाकथित योगी माडल की यही सच्चाई है? मुख्यमंत्री मौन धारण किए हुए हैं, सरकार को जवाब देना होगा कि आखिर उ0प्र0 में बहन, बेटियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? कांग्रेस विधान परिषद दल के नेता श्री दीपक सिंह ने प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह वही योगी सरकार है जो सत्ता में आते ही 'एण्टी रोमियो स्क्वायड' बनाती है पर प्रदेश में छेड़छाड़ और रेप की घटनाओं पर लगाम लगाने में नाकाम साबित हुई है। उन्होने योगी आदित्यनाथ को सलाह देते हुए कहा कि प्रदेश में रसातल में जा रही कानून व्यवस्था की समीक्षा करें। टीम-11 के झूठे तथ्यों और तथाकथित मीडिया मैनेजमेंट से प्रदेश से अपराध नहीं रूकने वाला है, अपराधियों पर सख्त कार्यवाही करने और अपराधियों के मनोबल को तोड़ने की जरूरत है। ताकि आम जनता को राहत मिल सके। उन्होने अंत में कहा कि क्या टीम-11 को प्रदेश के विभिन्न जनपदों में हो रही इन जघन्य घटनाओं की जानकारी नहीं होती या फिर सिर्फ मुख्यमंत्री जी को खुश करने के लिए झूठे आंकड़े जारी करते हैं। पत्रकारवार्ता में आज तक के पत्रकार श्री नीलांशु शुक्ला, पीटीआई के पत्रकार श्री अमृत मोहन दुबे को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। पत्रकारवार्ता में मीडिया विभाग के संयोजक श्री ललन कुमार भी मौजूद रहे।

3 किसान विरोधी अध्यादेशों के खिलाफ रालोद की ओर से राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा गया

बस्ती। केन्द्र सरकार द्वारा पारित 3 किसान विरोधी अध्यादेशों के खिलाफ राष्ट्रीय लोकदल की जिला कार्यकारिणी की ओर से राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। जिलाध्यक्ष राधेश्याम चौधरी समेत पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने अध्यादेशों को किसान विरोधी करार देते हुये इसे वापस लेने की मांग की। जिलाध्यक्ष ने कहा अध्यादेश किसानों की आय बढ़ाने वाले नही बल्कि उसे अपनी ही जमीनों पर बंधुआ मजदूर बनाने और जमाखोरी को बढ़ावा देने वाले हैं। इससे निजी कम्पनियों का वर्चस्व बढ़ेगा और किसान शोषण का शिकार होगा। राष्ट्रीय लोगकदल किसी कीमत पर ऐसे कानून बर्दाश्त नही करेगी। सरकार ने अध्यादेश वापस नही लिया तो भानपुर, रुधौली तहसील सहित पूरे प्रदेश में तीन सप्ताह बाद जमीनी स्तर पर विरोध प्रदर्शन शुरू होंगे। जिलाध्यक्ष राधेश्याम चौधरी ने कहा भाजपा किसानों की हितैसी नही हो सकती। किसानों की आय दोगुनी करने के नाम पर उन्हे गुमराह कर सत्ता हासिल करना भाजपा की एक फितरत है। प्रदेश का किसान इससे वाकिफ हो चुका है। रालेद नेता राय अंकुरम श्रीवास्तव ओमप्रकाश चौधरी, अजय सिंह ने कहा झूठे वादों ने किसानों को ठगा है। वादाखिलाफी सरकार पर बहुत भारी पड़ेगी। ज्ञापन सौंपते समय प्रमुख रूप से शेर सिंह, शिवकुमार गौतम, डब्लू सोनकर, मो. इरफान, वकास अहमद, चन्द्रबहादुर सिंह, दीपक पांडे, सुजीत कुमार शुक्ला, विनोद यादव, सामइन फारूकी, लालचंद, कमल सोनकर, सन्नी सिंह आदि मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने किया संगठन विस्तार

संगठन विस्तार में 2 उपाध्यक्ष, 6 महासचिव और 22 सचिव और दो संगठन सचिव बने संगठन विस्तार में विधायक सोहेल अख्तर अंसारी और योगेश दीक्षित को प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गयी है। संगठन विस्तार में 6 नए महासचिव विवेकानंद पाठक, मक़सूद खान, अंकित परिहार, विदित चौधरी, ब्रह्मस्वरूप सागर, प्रकाश प्रधान चौधरी को बनाया गया है। नए सचिवों में हनुमंत विश्वकर्मा, मनोज तिवारी, त्रिभुवन नारायण मिश्रा, इमरान खान, कौशल त्रिपाठी, देवेन्द्र श्रीवास्तव, मणिन्द्र मिश्रा, उज्जवल शुक्ल,राहुल राजभर, सैफ अली नकवी, अंशु तिवारी, सुनील विश्नोई, अवनीश कजला, मोहम्मद शोएब, असलम चौधरी, जीतेन्द्र कश्यप, योगेश तालान , कौशलेन्द्र यादव, विकास अवस्थी, गौतम सचान, अखिलेश शुक्ला, पुष्पेन्द्र सिंह, को नियुक्त किया है। दो संगठन सचिव संजीव शर्मा और अनिल कुमार यादव को सौंपी गई जिम्मेदारी।

12 साल की बच्ची ने प्रधानमंत्री को लिखा खुला खत कहा- वायु प्रदूषण का बच्चों पर हो रहा बहुत बुरा असर

नई दिल्ली। बच्चों के प्रदूषित हवा में सांस लेने से उनके स्वास्थ्य पर हो रहे गंभीर प्रभाव से चिंतित 12 साल की वैश्विक जलवायु कार्यकर्ता रिद्धिमा पांडे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक खुला खत लिखा है। रिद्धिमा ने भारत के सभी बच्चों की तरफ से यह खत लिखकर प्रधानमंत्री से बढ़ते वायु प्रदूषण के खिलाफ तत्काल कदम उठाने की मांग की है। वायु प्रदूषण के उच्च स्तर से जूझ रहे दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और घने आबादी वाले शहरों में रहने वाले लोगों की दुर्दशा को उजागर करते हुए रिद्धिमा ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया है कि वे सभी नियमों और कानूनों को सख्ती से लागू करने का आदेश दें। इससे हर भारतीय खासकर के बच्चों के स्वास्थ्य पर मंडरा रहे खतरे से उनकी रक्षा हो सकेगी। सात सितंबर को नीले आसमान के लिए पहले अंतरराष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस के मौके पर रिद्धिमा ने प्रधानमंत्री को लिखे खुले खत की एक कॉपी

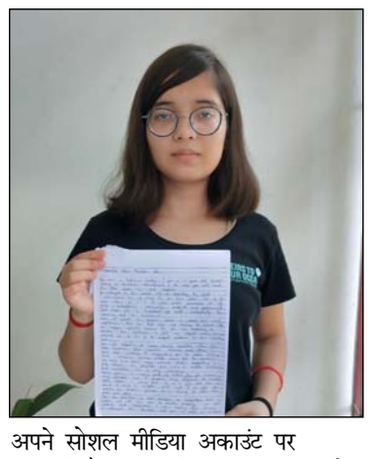

अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। प्रधानमंत्री के साथ एक किस्सा साझा करते हुए रिद्धिमा ने कहा कि एक बार स्कूल में उनके शिक्षक ने सभी छात्रों से उनके बुरे सपने के बारे में पूछा। उन्होंने खत में लिखा, अपने बुरे सपने के बारे में बताते हुए मैंने शिक्षक से कहा कि मैं स्कूल एक ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ आ रही हूं क्योंकि हवा बहुत प्रदूषित हो चुकी है। यह बुरा सपना अभी भी मेरी सबसे बड़ी चिंता है क्योंकि प्रदूषित हवा आज हमारे देश की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। रिद्धिमा ने बताया कि हर साल दिल्ली जैसे कई शहरों में हवा बहुत प्रदूषित हो जाती है, जिससे अक्टूबर के बाद सांस लेना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा, मुझे चिंता है कि अगर मेरे जैसे 12 साल के बच्चे को सांस लेने में मुश्किल होती है, तो अत्यधिक प्रदूषण वाले दिल्ली और अन्य शहरों में रहने वाले छोटे बच्चों और मेरे से कम उम्र के बच्चों की क्या हालत होती होगी। दिल्ली के एक उदाहरण का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यहां की हवा इतनी प्रदूषित हो जाती है कि लोगों को सांस लेने तक में दिक्कत होती है और उन्होंने पिछले साल बाल दिवस के दौरान खुद यह अनुभव किया था जब वह दिल्ली में थीं। हरिद्वार की युवा कार्यकर्ता रिद्धिमा ग्रेटा थनबर्ग के साथ उन 16 बच्चों में शामिल रही हैं जिन्होंने जलवायु परिवर्तन पर सरकारी कार्रवाई की कमी के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के क्लाइमेट एक्शन समिट में शिकायत दर्ज कराई थी। वह कहती हैं कि अगर बढ़ते वायु प्रदूषण से नहीं निपटा जाता है तो लोगों को होगा स्वच्छ हवा में सांस लेने और जीवित रहने के लिए अपने साथ ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर चलना होगा। अपने खत के माध्यम से उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया है कि वे देशभर में प्रदूषण के प्रबंधन से संबंधित अधिकारियों और प्रभारी अधिकारियों को सख्त निर्देश देकर सभी नियमों और कानूनों को सख्ती से लागू कराएं ताकि भारत के नागरिक स्वच्छ हवा में सांस ले सकें। खत के अंत में उन्होंने लिखा, कृपया हमें यह सुनिश्चित करने में मदद करें कि ऑक्सीजन सिलेंडर बच्चों के जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा न बने, जिसे हमें भविष्य में हर जगह अपने कंधों पर ले जाना पड़े।

जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर मेडिकल कॉलेज की ओपीडी शुरू करने की मांग की

बस्ती। सामाजिक कार्यकर्ता सुनील कुमार भट्ट ने मंडलायुक्त को ज्ञापन देकर महर्षि वशिष्ठ मेडिकल कालेज की ओपीडी शुरू किये जाने की मांग किया है। उन्होने ज्ञापन के माध्यम से उच्चाधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुये कहा कि महीनों से मेडिकल कालेज की ओपीडी बंद है जिससे मरीजों को परेशानी हो रही है। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को लखनऊ जाकर इलाज कराना पड़ रहा है। ओपीडी शुरू होने से अक्षम मरीजों को भी सुविधा मिलने लगेगी और असमय हो रही मौतों में कमी आयेगी। सामाजिक कार्यकर्ता ने यह भी कहा कि देश में भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के लिये जाया गया विधेयक ठंडे बस्ते में हैं। लोकपाल के लिये अनश्रन करने वाली दो विभूतियां अन्ना हजारे और रामदेव मौन क्यों हैं यह अपने आप में एक बड़ा सवाल है। उन्होने कहा भ्रष्टाचार के विरूद्ध बात करना भी आपराधिक हो गया है। मेडिकल कालेज की ओपीडी समय रहते नही शुरू की गयी तो कोविड-19 के नाम पर खर्च हो रहे भारी भरकम बजट की सच्चाई जनता के सामने लाई जायेगी। ज्ञापन देते समय कुलदीप जायसवाल, अर्जुन गौड़, गौहर अली, कन्हैया चौधरी, रोशन अली, चन्द्रिका प्रसाद, डटलू सिंह, बद्री यादव, बबलू पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा द्वारा भगवान विश्वकर्मा पूजा दिवस को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने की मांग की

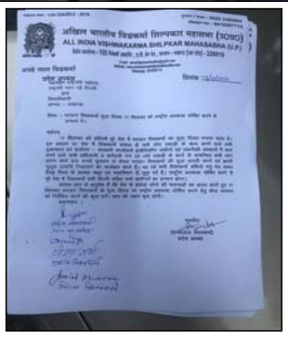

अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा उत्तर प्रदेश के आव्हान पर प्रदेश के सभी जिलों के साथ राजधानी लखनऊ में भी जिलाधिकारी के अनुपस्थिति में अपर जिलाधिकारी श्री सुशील प्रताप सिंह जी को भगवान विश्वकर्मा जी पूजन दिवस 17 सितंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित हेतु उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय व महामहिम राष्ट्रपति जी को ज्ञापन सौंपा गया। विश्वकर्मा समाज से बहुत से लोग ज्ञापन देने आए किन्तु सोशल डिस्टन्सिंग के कारण प्रदेश अध्यक्ष अच्छे लाल विश्वकर्मा प्रदेश महासचिव राकेश विश्वकर्मा जिला अध्यक्ष विश्वकर्मा ब्रिगेड कुशल विश्वकर्मा विजय शर्मा रंजीत शर्मा एडवोकेट राजेंद्र शर्मा एडवोकेट गोपाल विश्वकर्मा कमलेश विश्वकर्मा राम भजन शर्मा परशुराम विश्वकर्मा आदि लोग मौजूद थे।

सुमन सिंह ने गिनाई सपा सरकार की उपलब्धियां, महिलाओं से किया सत्ता परिवर्तन का आवाहन

बस्ती। सोमवार को बहादुरपुर ब्लाक के अंतर्गत कुरहा पट्टी दरियाव देवापार में समाजवादी पार्टी महिला सभा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती सुमन सिंह की अध्यक्षता में महिलाओं की बैठक सम्पन्न हुई । बैठक को सम्बोधित करते हुए सुमन सिंह ने पूर्व की सपा सरकार के विकास कार्यो को लोगो को बताया। कहा कि सपा सरकार में महिलाओं को समाजवादी पेंशन बिना किसी भेदभाव के दिया जाता था एक फोन पर समाजवादी एम्बुलेंस महिलाओं के लिए घर घर पहुच जाया करती थी लेकिन वर्तमान की भाजपा सरकार बनते ही सबसे पहले जनकल्याणकारी योजनाओं को बंद कर दिया गया । सुमन सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश को लूट ,हत्या,बलात्कार ,अपहरण का प्रदेश बना दिया गया । वो दिन दूर नही जब जनता 2022 में इस जन विरोधी सरकार को उखाड़ फेकेंगी।

कायाकल्प योजना के अंतर्गत चिकित्सालय को बेहतर रख-रखाव एवं सुविधाओं के लिए 3-3 लाख रुपए का मिला पुरस्कार

जिलाधिकारी ने सीएमएस डॉक्टर रोचस्पति पांडे तथा डॉक्टर सुषमा सिन्हा को प्रशस्ति पत्र तथा ट्रॉफी प्रदान किया

बस्ती। कायाकल्प योजना के अंतर्गत जिला चिकित्सालय एवं जिला महिला चिकित्सालय को बेहतर रख-रखाव एवं सुविधाओं के लिए 3-3 लाख रुपए का पुरस्कार मिला है। जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन ने पुलिस लाईन सभागार में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में दोनों अस्पतालों के सीएमएस डॉक्टर रोचस्पति पांडे तथा डॉक्टर सुषमा सिन्हा को प्रशस्ति पत्र तथा ट्रॉफी प्रदान किया। उन्होंने सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों का आह्वान किया कि एनआरएचएम के गाइड लाइन के अनुसार अपने अस्पतालों का रख-रखाव रखें, पब्लिक सुविधाओं की व्यवस्था रखें, साफ सफाई पर ध्यान दें तथा स्टॉफ के कार्यों में सुधार करें ताकि प्रदेश स्तर पर उनको यह पुरस्कार मिल सके। इस पुरस्कार में मिली धनराशि से अस्पताल के रख-रखाव एवं सुविधा वृद्धि पर ही वह खर्च किया जाता है। इस अवसर पर सीएमओ डॉक्टर एके गुप्ता, जिला समन्वयक डॉक्टर अजय, एसीएमओ डॉ फखरेयार हुसैन, डॉ0 सीके वर्मा तथा सभी प्रभारी चिकित्साधिकारीगण उपस्थित रहे।

गोरखपुर में सपाइयों पर पुलिस ने जमकर लाठियां भांजी

गोरखपुर/बीआरडी मेडिकल कॉलेज में जबरन घुस रहे सपाइयों पर पुलिस ने जमकर लाठियां भांजी। लाठी चार्ज के दौरान दो दर्जन से अधिक सपाइयों को चोटें भी आईं हैं। इसमें सपा जिलाध्यक्ष नगीना प्रसाद भी शामिल हैं। सपाइयों के मुताबिक घायलों में करीब दर्जन भर लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। जिसमें जिला उपाध्यक्ष जय प्रकाश यादव का हाथ फ्रैक्चर हो गया है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में 300 बेड के कोविड अस्पताल का उद्घाटन किया। सपाई उसे अपने सरकार की उपलब्धि बताते हुए बीआरडी मेडिकल कॉलेज पहुंचे। हालांकि पुलिस को इसका आभास पहले से था। इसलिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज पर सुरक्षा व्यवस्था चौकस की गई थी। सपाइयों को पुलिस कर्मियों ने रोकने की कोशिश की तो उन्होंने बताया कि वह वहां सिर्फ आभार जताने आए हैं। उन्होंने बताया वह अपने साथ लड्डू भी लेकर आए हैं। इस दौरान जब सपाइयों ने मेडिकल कॉलेज में जबरन घुसने की कोशिश की तो पुलिस ने उन पर लाठी चार्ज कर दिया। इससे सपा जिलाध्यक्ष सहित दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में सपा नेता वृंदा देवी सैनी, रजनीश यादव, जय प्रकाश यादव, अधिवक्ता संजय सिंह को गंभीर चोटें आई हैं। इसमें जय प्रकाश यादव का हाथ फ्रैक्चर हो गया है। रजनीश यादव की उंगली टूट गई है। इसके अलावा मनोज यादव, मुन्नीलाल यादव, मनमोहन यादव, पिपराइच विधानसभा क्षेत्र वरिष्ठ नेता देवेन्द्र भूषण निषाद, सिराजुद्दीन अंसारी, अमरेंद्र निषाद, जितेन्द्र सिंह, सुनील सिंह आदि को सामान्य चोटें आई हैं।

एडीजी से मिलेगा सपाइयों का प्रतिनिधि मंडल

सपा जिलाध्यक्ष नगीना प्रसाद साहनी ने कहा कि इस मामले को लेकर उनका प्रतिनिधि मंडल मंगलवार सुबह 11 बजे अपर पुलिस महानिदेशक से मिलेगा। इसके लिए उनका समय मांगा जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस का कृत्य पूरी तरह से अमानवीय है। वह तो आभार व्यक्त करने निकले थे। उन्होंने अपने साथ लड्डू भी रखा था। वह पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का आभार जता रहे थे कि उनके द्वारा बनवाया गया 500 बेड का अस्पताल आज लोगों की जिंदगी बचाने के काम आने जा रहा है, लेकिन पुलिस ने बर्बरता की हद पार कर दी। सपाइयों को बेरहमी से पीटा गया। दर्जनों कार्यकर्ताओं को चोटें आई हैं। सभी उपचार कराकर कुछ देर पूर्व लौटें हैं।

योगी आदित्यनाथ ने की शिव साधना गोरखनाथ मंदिर में किया रूद्राभिषेक

गोरखपुर/ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कोरोना संक्रमण काल में जगत कल्याण की कामना के साथ रुद्राभिषेक किया। इसके पूर्व उन्होंने गुरु गोरखनाथ जी के मंदिर में पूजा कर अखंड ज्योति का दर्शन किया। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ एवं ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ की समाधि पर माथा टेका। इसके बाद सीएम योगी ने गौशाला में जाकर गौ सेवा भी की। सोमवार की सुबह गोरखनाथ मंदिर के प्रथम तल पर स्थित शक्ति मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धा एवं विधि विधान के साथ भगवान शिव की पूजा अर्चना की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने रुद्राभिषेक भी किया। पूजन का यह कार्यक्रम सुबह 7 बजे से 8-30 बजे तक चला। इस दौरान उन्होंने संपूर्ण मानव जाति के कल्याण, उद्धार, समृद्धि एवं शांति के लिए प्रार्थना की। यह अनुष्ठान मंदिर के प्रधान पुरोहित रामानुज त्रिपाठी के साथ ही पुरोहित पुरुषोत्तम चौबे, अरविंद चतुर्वेदी, रोहित मिश्रा, रंगनाथ त्रिपाठी, बृजेश मिश्र ने वैदिक मंत्रोचार के साथ पूर्ण कराया। मुख्यमंत्री ने गाय के दूध, दूब, कमल पुष्प, गंगाजल, दही, घी, चीनी,मधु, के साथ भगवान शंकर का भगवान शंकर का रुद्राभिषेक किया। अभिषेक के दौरान प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, कालीबाड़ी के महंत रविंद्र दास, महंत मिथिलेश दास एवं गोरखनाथ मंदिर के सचिव द्वारका तिवारी भी मौजूद रहे। नाथ पंथ की परंपरा में गुरु गोरखनाथ भगवान शिव के अवतार माने जाते हैं। नाथ संप्रदाय उन्हें अपना आदिनाथ स्वीकार करता है। रुद्राभिषेक के पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु गोरखनाथ जी का पूजन कर अखंड ज्योति का दर्शन किया उसके बाद ब्रह्मलीन महंत दिग्विजय नाथ एवं ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ की समाधि पर पहुंचकर माथा टेका। मंदिर में भ्रमण करते हुए योगी आदित्यनाथ गौशाला पहुंचे। यहां उन्होंने गायों के बीच तकरीबन 30 मिनट का वक्त व्यक्तित्व किया। उन्होंने गायों को गुड़ एवं चना खिलाया।

भाजपा की अफवाह और बहकावे की राजनीति में गजब की मास्टरी: अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार की जादूगरी कमाल की है। ईज आफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में उत्तर प्रदेश लम्बी छलांग लगाकर नम्बर दो के पायदान पर पहुंच गया जबकि गतवर्ष 2019 में 12वीं रैंकिंग थी। एक वर्ष में इतनी लम्बी उछलकूद तो बड़े-बड़े धावक भी शायद न दिखा पाएं। मगर भाजपा है तो कुछ भी मुमकिन है। अफ्वाह और बहकावे की राजनीति में तो उसकी गजब की मास्टरी है। अनियोजित लॉकडाउन और गलत आर्थिक नीतियों की वजह से अर्थव्यवस्था पटरी से उतर चुकी है। अकेले गौतमबुद्धनगर में 300 से ज्यादा फैक्ट्रियां बंद हो गई है। हजारों बंदी के कगार पर है। कहां गया 20 लाख करोड़ का पैकेज? बंद फैक्ट्रियों में लाखों की मशीनें धूल फांक रही है। प्रदेश भर में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर, विनिर्माण, संचार, होटल आदि व्यवसाय पूरी तरह से चौपट हैं।उत्तर प्रदेश में रोजगार है नहीं, किसान, नौजवान आत्महत्या कर रहे है, कानून व्यवस्था बर्बाद है, लूट-हत्या बलात्कार, अपहरण की वारदातें थम नहीं रही हैं। विकास अवरूद्ध है। छह माह से कोरोना संक्रमण में लगातार बढ़ोत्तरी के चलते सभी गतिविधियां बंद हैं। पांच महीने में तीन गुना मनरेगा मजदूर घट गए हैं। 17 जुलाई से अब तक राजधानी के मनरेगा मजदूरों की 3.31 करोड़ रूपए की मजदूरी बकाया हो चुकी है। फिर पता नहीं कैसे केन्द्र सरकार के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने उत्तर प्रदेश को दो नम्बरी बना दिया। राज्य सरकार और मुख्यमंत्री जी गद्गद् हैं। कामयाबी के ढोल पीटे जा रहे हैं किन्तु जमीन में निवेश कहां हुआ है? किस बैंक ने कर्ज दिया? इस सबका ब्यौरा नहीं है। एक वर्ष में ही रैंकिंग कैसे बदल गई? प्रदेश में ओलावृष्टि, अतिवृष्टि और अभी आई बाढ़ से भारी तबाही हुई है। हजारों हेक्टेयर फसलें बर्बाद हो गई। गांवों में आपसी झगड़े बढ़े हैं। रोज-रोज की आर्थिक तंगी से परिवार आत्महत्या कर रहे हैं। बाजारों में मायूसी छाई हुई है। नौजवानों के पास डिग्रियां हैं पर रोजगार नहीं है। सरकार रोजगार के सृजन में भी विफल रही है। उद्योग धंधों का धंधा फाईलों में ही चल रहा है। प्रशासनतंत्र निष्क्रिय हो गया है। प्रदेश की भाजपा सरकार सत्ता में आने के पहले दिन से ही दिशाभ्रम की शिकार रही है। अपनी कोई योजना न होने से वह समाजवादी सरकार की जनहित की योजनाओं को या तो बर्बाद करने में लग गई या फिर अपनी वाहवाही दिखाने को उन पर अपने नाम का ठप्पा लगाने लगी। लेकिन अब जनता को बुनियादी मुद्दों से भटकाना सम्भव नहीं। जनता को अब अपने राज में फैली बदहाली का जवाब तो देना ही होगा। केन्द्र और राज्य की भाजपा की डबल इंजन की सरकारें एक दूसरे का मनोबल बढ़ाने के लिए जो साजिशी छलांगे लगा रही हैं वह जनता को भ्रमित करने के सिवाय और क्या हो सकता है? यह भाजपाई जबानी जमा खर्च का सूत्र वाक्य है।

पोलसी एण्ड सेंसन विषय पर वेबिनार का आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। शिया पी0जी0 कालेज, लखनऊ में आज पोलसी एण्ड सेंसन विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का उद्घाटन प्रोफेसर हरबंश दीक्षित, सदस्य उत्तर प्रदेश, उच्च शिक्षा सेवा आयोग, प्रयागराज ने किया। वेबिनार के मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर आदित्य निगम, सी0एस0डी0एस0, नई दिल्ली तथा अतिथि वक्ता के रूप में डॉ0 मंजूर अली, जी0आई0डी0एस0, लखनऊ मौजूद थे। वक्ताओं ने नई शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं के ऊपर चर्चा करते हुये बताया कि समय के साथ परिवर्तन आवश्यक है और जब परिवर्तन होता है तो वह परिवर्तन बेहतर की ओर होना चाहिये जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ पहुंचे। नई शिक्षा नीति को इस रूप में चर्चा करनी चाहिये कि उसके सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं पर चर्चा हो और सरकार से अपील की जाये कि उसके नकारात्मक पहलुओं को हटाये और सकारात्मक पहलुओं को और आगे बढ़ाये जिससे आम जनता तथा आम छात्र,छात्राओं को उसका बहुमूल्य लाभ मिल सके।

कोरोना से आईएएस सुशील कुमार का निधन, डिप्टी सीएम ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से पांव पसारता जा रहा है। प्रदेश में बड़ी संख्या में यह लोगों को अपनी जद में ले चुका है। इतना ही नहीं इसकी चपेट में आकर मौतों का सिलसिला भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। एसजीपीजीआई के कोविड अस्पताल में भर्ती 1994 बैच के पीसीएस अफसर तथा 2010 बैच के आईएएस अधिकारी रहे सुशील कुमार मौर्य का सोमवार को निधन हो गया। बता दें कि 10 दिन पहले उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी इसके बाद उन्हें एसजीपीजीआई अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस दौरान उन्हें प्लाज्मा थेरेपी सहित अन्य दवाएं दी गईं, लेकिन बचाया नहीं जा सका। पीजीआई के निदेशक प्रोफेसर आरके धीमान ने बताया कि रेस्पिरेट्री डिस्ट्रेस सिंड्रोम की वजह से उनके लंग सहित शरीर के अन्य हिस्सों ने काम करना बंद कर दिया, जिसकी वजह से उनकी मौत हो गई।उनके निधन पर प्रदेश उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्री सुशील कुमार जी के कोरोना से निधन की सूचना से व्यक्तिगत रूप से दुखी हूं। सुशील जी गरीबों के लिए समर्पित भाव से सेवा करने वाले अधिकारी के रूप में जाने जाते थे और उनसे मेरे पारिवारिक संबंध भी थे। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें।

अतुल कुमार अंजान ने योगी को लिखा पत्र, कहा यूपी की राज्यसभा सीटों पर राज्य के लोगों को ही भेजा जाए

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने आगामी नवम्बर में उत्तर प्रदेश से खाली हो रही राज्यसभा की नौ सीटों पर राज्य के लोगों को ही भेजे जाने की मांग की है और इसके लिये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भी लिखा है। बता दें कि राज्य की 9 राज्यसभा सीटों पर आगामी नवंबर में द्विवार्षिक चुनाव होने हैं। विधानसभा की वर्तमान स्थिति को देखते हुये भारतीय जनता पार्टी का कम से कम सात सीट जीतना तय है। एक सीट समाजवादी पार्टी को तथा अन्य सीट विपक्षी अगर एक हुये तो उनको मिल सकती है। उनका एक होना जरूरी है, नहीं तो भाजपा एक सीट और जीत ले जायेगी। भाकपा के सचिव अतुल कुमार अंजान ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कहा है कि उत्तर प्रदेश 23 करोड़ की आबादी वाला राज्य है। इसके सवाल, इसकी समस्याओं पर जिस गंभीरता से राज्यसभा में चर्चा होनी चाहिये, उसका नितांत अभाव दिखता है। पिछले दो दशक से उत्तर प्रदेश से राज्यसभा में बाहर के राज्य के नेताओं को भेजा जाता रहा है जो प्रदेश के हितों को छोड़ बाकी काम में सक्रिय हैं। अंजान ने कहा कि राज्यसभा राज्यों के एवं उसके हितों के व्यापक प्रतिनिधित्व के लिये बनाई गई थी। कांग्रेस ने सबसे पहले इसका दुरूपयोग शुरू किया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को तीन बार दूसरे राज्य से राज्यसभा में चुन कर भेजा गया। उन राज्यों से मनमोहन सिंह का कोई सम्बन्ध नहीं रहा। उन्होंने कहा कि इस बात की जोरदार चर्चा कि भाजपा दूसरे राज्य के नेताओं को उत्तर प्रदेश से चुनकर भेजेगी। अंजान ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में अनुरोध किया है कि वो इस मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात करें और उत्तर प्रदेश के नेताओं को ही राज्यसभा भेजें।

पराली निस्तारण के लिये प्रति एकड़ 3000 रूपये दे सरकार

लखनऊ, संवाददाता। पराली निस्तारण को लेकर किसानों की समस्या का जिक्र करते हुये भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने उत्तर प्रदेश सरकार को सलाह दी है कि वह किसानों को पराली एवं पत्ती निष्पादन के लिये प्रति एकड़ तीन हजार रूपये उपलब्ध कराये। भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत ने सूबे के प्रमुख सचिव कृषि को पत्र लिखकर कहा कि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कृषि विभाग की दो सितम्बर को वीडियो कांफ्रेंसिंग में पराली एवं पत्ती के निस्तारण के लिये उच्च न्यायालय के निर्णय के सम्बन्ध में चर्चा की गयी थी। इस सम्बन्ध में अभी तक कोई भी ऐसी प्रभावी तकनीकी उपलब्ध नहीं है जो कम खर्च पर इसका निस्तारण कर सके। उन्होंने कहा कि कुछ यन्त्र जो बाजार में उपलब्ध हैं उनमें संस्थाओं व खाद्य उपभोक्ता समूह पर छूट ज्यादा उपलब्ध है, लेकिन उसका लाभ दूसरे किसानों को नहीं मिलता। यन्त्र की कीमत अधिक होने व छूट कम होने के कारण किसान उसको व्यक्तिगत रूप से खरीद नहीं पा रहे हैं। पिछले साल उच्च न्यायालय ने 100 रूपये प्रति कुन्तल पराली निस्तारण के लिये किसानों को दिये जाने के आदेश दिये गये थे, लेकिन यह पैसा किसानों को उपलब्ध नहीं कराया गया। टिकैत ने कहा कि केन्द्र सरकार ने इसके निस्तारण के लिये 151.80 करोड़ रूपये का फंड बनाया गया था। जिसके अंतर्गत उत्तर प्रदेश को 2018-19 में 148.60 करोड़ एवं 2019-20 में 105.28 करोड़ रूपये उपलब्ध कराये गये हैं। आज भी पराली निष्पादन के लिये कोई प्रभावी योजना उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नहीं चलायी जा रही है। उन्होने कहा कि भाकियू का सुझाव है कि न्यायालय के आदेशानुसार 100 रुपये कुन्तल को क्षेत्रफल के आधार पर तय करते हुए एक एकड़ में लगभग 30 कुन्तल पराली व पत्ती होती है।

आंगनवाड़ी वर्कर और हेल्पर के सहयोग के बिना कुपोषण मुक्त उत्तर प्रदेश बनाना संभव नहीं

लखनऊ, संवाददाता। वीना गुप्ता संयोजक आंगनवाड़ी बचाओ संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने मुख्यमंत्री को पत्र भी लिखा कहा पोषण माह के शुभारम्भ के अवसर पर प्रदेश को कुपोषण मुक्त संकल्प आपने लिया है, आंगनवाड़ी वर्कर और हेल्पर के सहयोग के बिना कुपोषण मुक्त उत्तर प्रदेश बनाना संभव नहीं है, आज महामारी की चुनौती के साथ प्रवासी बच्चों और महिलाओं तक पोषण और स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाने की चुनौती से भी प्रदेश जूझ रहा है. इन परिस्थितियों में वर्कर और हेल्पर की छंटनी से उपरोक्त सेवाएं गंभीर रूप से प्रभावित होंगी। अतः आपसे अनुरोध है की 62 साल की उम्र में विशेष सचिव का छंटनी का आदेश वापस लें. आज प्रदेश व्यापी अनशन व् धरना के माध्यम से आपके सामने प्रस्तुत ज्ञापन के माध्यम से अनुरोध है की आंगनवाड़ी वर्कर और हेल्पर को रिटायर करते वक्त पेंशन, फण्ड,व् सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

पूर्व विधायक की मौत की जांच के लिए समिति गठित

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार ने लखीमपुर खीरी जिले में पूर्व विधायक निर्वेंद्र कुमार मुन्ना की मौत की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। जमीन के विवाद में रविवार को मुन्ना की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। समिति में एएसपी खीरी, सर्कल ऑफिसर सिधौली और क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर शामिल हैं। समिति सर्कल ऑफिसर कुलदीप कुकरेती और अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका की जांच करेगी और तीन दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट देगी। कुकरेती को पुलिस मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया है, जबकि एक चौकी प्रभारी और दो बीट कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है। घटना को लेकर विपक्ष द्वारा राज्य सरकार पर तीखा हमला करने के बाद यह कदम उठाया गया। इससे पहले, दिवंगत विधायक के परिवार के आरोपों को खारिज करते हुए, लखीमपुर खीरी के एसएसपी सतेंद्र कुमार ने कहा था कि पूर्व विधायक दूसरे पक्ष के साथ बहस के दौरान जमीन पर गिर पड़े थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण कार्डियक अरेस्ट बताया गया है और इसमें चोटों का कोई जिक्र नहीं है। तीन बार के विधायक को अस्पताल ले जाया गया लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। मुन्ना और उनके बेटे, संजीव पर पूर्व में इसी मामले में सीआरपीसी की धारा 107ध्116 के तहत शांति भंग करने का आरोप लगाया गया था। मीडिया से संजीव ने कहा, हमारी पुश्तैनी जमीन पर एक मामला लंबित है और लॉकडाउन व पुलिस मौजूदगी के बावजूद दूसरे पक्ष के 50-60 लोग आए थे। वे जमीन की जुताई कर रहे थे और जब हमने उन्हें रोका, तब उन्होंने मुझे पीटना शुरू कर दिया।ष उन्होंने आगे कहा, जब मेरे पिता ने हस्तक्षेप करने की कोशिश की, तो उन्होंने उन्हें भी पीटा। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हम उन्हें स्थानीय लोगों के सहयोग से पलिया के एक अस्पताल ले गए। जबकि विरोधी पक्ष के कुछ सदस्यों को ग्रामीणों ने पकड़ लिया, लेकिन बाद में सर्किल ऑफिसर कुलदीप कुकरेती पुलिस बल के साथ गांव में पहुंचे और उन्होंने मेरी पत्नी और मां की पिटाई की और उन सभी को बचाया। इस घटना ने जल्द ही समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के ट्वीट के साथ राजनीतिक मोड़ ले लिया, उन्होंने ट्वीट कर कहा, भाजपा राज में प्रदेश की जनता कानून-व्यवस्था के विषय पर चिंतित ही नहीं, भयभीत भी है। राज्य की कांग्रेस इकाई ने ट्वीट किया, ष्एक और ब्राह्मण की हत्या।

बंदरों के आतंक से राजाजीपुरम् के निवासी परेशान

लखनऊ, संवाददाता। राजाजीपुरम् स्थित सेंट जोसेफस्कूल और उसके आस-पास की कालोनीवासी इन दिनों बन्दरों के आतंक से खासे परेशान है। इस इलाके के बन्दरों में आक्रामकता काफी बढ़ गयी है। ये अनायास ही किसी को भी दौड़ा कर काट रहे है। सेंट जोसेफस्कूल के आस-पास डेरा डाले ये बन्दर सेंट जोसेफस्कूल की दो शिक्षिकाओं को व स्थानीय निवासियों को घायल कर चुके है। इस सन्दर्भ में वन विभाग के डीएफओ लखनऊ से शिकायत करने पर उन्होने बताया कि बन्दरों को पकडना समस्या का समाधान नहीं है। जब बन्दरों के छोटे बच्चे उनके साथ होते है तो उनकी सुरक्षा के दृष्टिकोण से वे आक्रामक हो जाते है। लोगों को चाहिये कि वे उनको खाने की वस्तुयें न दें। खाना न मिलने की दषा में वे उस इलाके को छोड़ देते है। डीएफओ के अनुसार लंगूर से अधिक बन्दर कुत्तों से डरते है। जिस घर में कुत्ते होते है वहां बन्दर नहीं आतं है। बन्दरों के आतंक से निपटने के लिये कुत्तों का सहारा लिया जा सकता है।

वन विभाग में नहीं हो रहा है कर्मचारियों का विनियमितीकरण संयुक्त परिषद ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र

लखनऊ, संवाददाता। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने आज लखनऊ में एक प्रेस विज्ञप्ति में अवगत कराया है शासन ने 24 फरवरी 2016 को एक शासनादेश जारी कर प्रदेश के राजकीय विभागों, स्वशासी संस्थायों, सार्वजनिक उपक्रमों, स्थानीय निकायों, विकास प्राधिकरण एवं जिला पंचायतों में दिनांक 31 दिसंबर 2001 तक नियुक्त दैनिक वेतन वर्क चार्ज एवं संविदा कर्मियों का विनियमितीकरण करने की दिशा निर्देश जारी किए हैं। इस शासनादेश का प्रदेश के लोक निर्माण विभाग, परिवहन विभाग एवं वन विभाग में अनुपालन नहीं हो रहा है। मुख्य सचिव स्तर पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की हुई बैठकों में लगातार यह प्रकरण उठाया उठाया जाता रहा है। अपर मुख्य सचिव कार्मिक के स्तर से परिवहन विभाग एवं वन विभाग को कार्यवाही के लिए निर्देश भी जारी किए गए हैं, परंतु फिर भी कार्यवाही नहीं हो रही है। वन विभाग में लगभग 8500 दैनिक वेतन, वर्क चार्ज, संविदा कर्मी हैं, जिनकी नियुक्ति 31 दिसंबर 2001 से पूर्व हुई है एवं विनियमितीकरण की अर्हताएं पूरी करते हैं फिर भी उनका नियमितीकरण नहीं हो पाया है। जनपद महोबा में 22 संविदा कर्मी है जनपद में 44 पद भी रिक्त हैं फिर भी विभाग द्वारा दैनिक वेतन कर्मियों को नियमित नहीं किया जा रहा है। शासनादेश के क्रियान्वयन पर विभागीय उदासीनता पर चिंता व्यक्त करते हुए जे एन तिवारी ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर इस संबंध में सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव को एक निर्देश जारी कर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित कराने का अनुरोध किया है।

कोरोना से उबर चुके सांसद कौशल किशोर फिर हुए संक्रमित, मेदांता में किया गया भर्ती

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मोहनलालगंज संसदीय क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद कौशल किशोर एक बार फिर कोविड-19 की चपेट में आ गए हैं। किशोर पिछली 26 अगस्त को तेज बुखार और सांस में तकलीफकी शिकायत पर एक निजी अस्पताल में भर्ती हुये थे जहां उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आयी थी। हालांकि दो सितम्बर को रिपोर्ट निगेटिव आने से चिकित्सकों ने उन्हें डिस्चार्ज कर होम आइसोलेशन की सलाह दी थी। भाजपा सांसद द्वारा सोमवार को ट्वीट के जरिये दी गयी जानकारी के अनुसार रविवार को उन्हें एक बार फिर तेज बुखार और सांस लेने में तकलीफ हुयी जिस पर उन्होंने मेदांता अस्पताल में जांच करायी। कोविड की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आयी है जिसके बाद वह अस्पताल में भर्ती हो गये है। उन्होंने कहा कि डाक्टरों ने उन्हें कम बात करने की सलाह दी है। सांसद ने कहा कि लोगों की दुआओं से वह जल्द स्वस्थ होकर घर आयेंगे और फिर से समाज सेवा में जुटेंगे। उधर, राजधानी के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान सीएमएस के संस्थापक जगदीश गांधी को भी मेंदाता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार गांधी को पेशाब में संक्रमण की समस्या के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी कोरोना जांच की गयी और वह एक बार फिर संक्रमित पाये गए हैं। इससे पहले सीएमएस संस्थापक को कोविड-19 की चपेट में आने के कारण अगस्त में एसजीपीजीआई में भर्ती कराया गया था जहां उन्हें पिछली तीन सितम्बर को स्वस्थ होने के बाद छुट्टी दे दी गयी थी।

पुलिस रेडियो मुख्यालय में कार्यरत महिलाकर्मियों के शोषण की हो जांचः नूतन ठाकुर

लखनऊ, संवाददाता। जानी मानी समाजसेवी और अधिवक्ता नूतन ठाकुर ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित पुलिस रेडियो मुख्यालय में कार्यरत महिला कर्मियों के कथित शोषण की जांच की मांग की है। पुलिस महानिदेशक एचसी अवस्थी को भेजी शिकायत में समाजसेवी नूतन ने कहा है कि उन्हें रेडियो मुख्यालय की युवा महिलाकर्मियों द्वारा डीजीपी तथा अन्य को भेजी गयी एक शिकायत की प्रति प्राप्त हुई। जिसमें कहा गया है कि निश्चित स्थानांतरण नीति नहीं होने के कारण युवा महिलाकर्मियों को यूपी-112 में तैनात कर दिया जाता है उन्होंने कहा कि शिकायत के अनुसार कुछ वरिष्ठ महिलाकर्मी इस काम में शामिल हैं और यह सारा काम एक डीआईजी द्वारा किया जा रहा है। तीन महिलाकर्मियों द्वारा आत्महत्या कर लेने तथा एक और कर्मी के आत्महत्या की ओर अग्रसर होने की बात भी कही गयी है।

धान खरीद के लिए विपणन शाखा के 08 कुल 16 धान क्रय केन्द्रों का निर्धारण

लखनऊ, संवाददाता। जिलाधिकारी लखनऊ अभिषेक प्रकाश ने बताया कि दिनांक 31 जुलाई 2020 के क्रम में खरीफ विपणन वर्ष 2020-21 में मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत धान खरीद हेतु जनपद-लखनऊ में खाद्य विभाग की विपणन शाखा के 08 एवं पी0सी0एफ0 के 08 कुल 16 धान क्रय केन्द्रों का निर्धारण निम्नवत् किया जाता है। उन्होंने बताया कि तहसील का नाम-सदर, ब्लॉक का नाम-नगर पंचायत,काकोरी, संस्था का नाम- खाद्य विभाग (विपणन शाखा), तहसील का नाम-सरोजनीनगर, ब्लॉक का नाम- सरोजनीनगर, संस्था का नाम- खाद्य विभाग (विपणन शाखा), पी0सी0एफ0, प्रस्तावित क्रय केन्द्र का नाम-सरोजनीनगर (पी0डी0एस0 केन्द्र सरोजनीनगर)ध्कृषक सेवा केन्द्र सोहावा। उन्होंने बताया कि समस्त सम्बन्धित को निर्देशित किया गया है कि शासन द्वारा निर्धारित समय सारणी के अनुसार समस्त आवश्यक व्यवस्थायें पूर्ण क राकर धान क्रय नीति 2020-21 के अनुसार धान क्रय करना प्रारम्भ करें।

कोविड टेस्ट फोटो लीक सीजेएम कोर्ट में वाद दायर

लखनऊ, संवाददाता। आईपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर ने अपने व अपने परिवार के कोविड टेस्ट से संबंधित फोटो व रिपोर्ट लीक होने के संबंध में थाना गोमतीनगर द्वारा मुकदमा दर्ज करने से मना करने के बाद स्पेशल सीजेएम कोर्ट कस्टम लखनऊ में वाद दायर किया है, स्पेशल सीजेएम सुनील कुमार द्वितीय ने थाना गोमतीनगर से 14 सितम्बर 2020 को में आख्या मांगी है, अपने वाद में अमिताभ ने कहा कि 27 अगस्त 2020 को कोविड टेस्ट टीम ने टेस्ट के दौरान उन लोगों के फोटो लिए और बताया कि कोविड पॉजिटिव हो तो 24-48 घंटे में कमांड सेण्टर से बताया जायेगा, कोविड नेगेटिव होने पर फोन नहीं आयेगा, खुद सीएमओ लखनऊ कार्यालय से मालूम करना होगा. शाम 07.13 पर कई निजी ट्वीटर हैंडल से ट्वीट हुआ कि उनमें कोई कोविड पॉजिटिव नही आया है. साथ ही अमिताभ की पत्नी डॉ नूतन ठाकुर तथा दोनों बच्चों के टेस्ट के समय के फोटो भी पोस्ट किये थे। थाने ने सरकारी जाँच होने के कारण फोटो सार्वजनिक होने को कोई अपराध नहीं होना बताया. इससे असहमत होते हुए वाद में कहा गया है कि टेस्ट टीम द्वारा रिकार्ड हेतु लिया गया फोटो किसी भी स्थिति में गैर-सरकारी व्यक्ति को लीक नहीं किया जा सकता है।

भाजपा ने फूल कुमारी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह व प्रदेश महामंत्री (संगठन) सुनील बंसल ने वरिष्ठ पत्रकार शिव विजय सिंह की माता फूल कुमारी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए वरिष्ठ पत्रकार शिव विजय सिंह की माता जी के निधन को दुखद बताते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान देने एवं शोक संतप्त परिवार को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

लखनऊ मेट्रो की यात्री सेवाएं शुरू

कोविड-19 गाइडलाइन के तहत यात्रियों की सुरक्षा का पूरा ध्यान

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ मेट्रो रेल सेवाएं, सुरक्षित यात्रा हेतु अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ सोमवार से शुरू हो गई हैं। इससे पहले रविवार को यूपीएमआरसी द्वारा हजरतगंज से लेकर सीसीएस एयरपोर्ट तक मीडिया विजिट का आयोजन किया गया। मेट्रो राइड लेकर सीसीएस एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन पर मीडिया टीम को प्रबंध निदेशक कुमार केशव ने लखनऊ मेट्रो द्वारा स्टेशन और ट्रेन के अंदर यात्री सुरक्षा हेतु किए गए इंतजामात के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक कुमार केशव ने कहा, ÷लखनऊ मेट्रो में, यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसके हेतु, लखनऊ मेट्रो के पूरे सिस्टम में विधिवत साफ-सफाई और सैनिटाइजेशन का काम नियमित रूप से होता है। यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े हर बिंदु को संज्ञान में लिया जा रहा है। हमारे सभी यात्री, हमारे परिवार का ही हिस्सा हैं और मैं उन्हें विश्वास दिलाता हूं कि लखनऊ मेट्रो, सार्वजनिक यातायात का सबसे सुरक्षित माध्यम है। लखनऊ मेट्रो, लखनऊ शहर का गौरव है। मेट्रो सेवाएं शहरवासियों के लिए सरकार की ओर से दी हुई, एक सौगात है। मेट्रो सेवा, अर्बन ट्रांसपोर्ट सिस्टम का सबसे सुरक्षित माध्यम है, जो न सिर्फ समय की बचत करता है बल्कि किफायती भी है।÷ लखनऊ मेट्रो ने कॉन्टैक्ट-लेस ट्रैवल, सैनिटाइजेशन, सोशल डिस्टेन्सिंग और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया है। यात्रियों को एक सुविधाजनक और पूरी तरह से सुरक्षित यात्रा का अनुभव देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। गो-स्मार्ट कार्ड के साथ करें पूर्णतयः कॉन्टैक्ट-लेस यात्राः गो-स्मार्ट धारकों को मेट्रो स्टेशन में प्रवेश से लेकर, ट्रेन से यात्रा करने और मेट्रो परिसर से बाहर निकलने तक पूर्णतयः कॉन्टैक्ट-लेस यात्रा की सहूलियत मिलती है। ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन (एएफसी) गेट पर प्रवेश के दौरान गो-स्मार्ट कार्ड को मशीन पर टैप करने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि मशीन के ऊपर बने वाई-फाई के चिह्न के पास ले जाने भर से ही यात्री की जानकारी सत्यापित हो जाती है और वह प्रवेश कर सकता है। इस तरह, गो-स्मार्ट कार्ड के साथ यात्रा करने वाले यात्री मेट्रो से यात्रा के दौरान सिर्फ सैनिटाइज्ड मेट्रो सीट के साथ संपर्क में आते हैं। लखनऊ मेट्रो देश की पहली ऐसी मेट्रो है, जहां पर यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए टोकन सैनिटाइजेशन के लिए यूवी तकनीक का इस्तेमाल होगा। लखनऊ मेट्रो के गो-स्मार्ट कार्ड के साथ कैशलेस तरीके से एक साथ कई टोकन्स,टिकट्स खरीदने की सुविधा भी मिलती है। ऐसा सुविधा देने वाली भी लखनऊ मेट्रो, देश की पहली मेट्रो है। सभी मेट्रो स्टेशनों पर सोशल-डिस्टेन्सिंग के लिए मार्किंग की गई है ताकि मेट्रो परिसर के अंदर यात्रियों के बीच उपयुक्त दूरी सुनिश्चित की जा सके। टिकट काउंटर्स (टीओएम), टिकट वेंडिंग मशीन (टीवीएम), सुरक्षा जांच पॉइंट, प्रवेश-निकास हेतु एएफसी गेट आदि सभी जगहों पर, जहां यात्रियों को लाइन लगानी पड़ती है, वहां पर सोशल-डिस्टेन्सिंग के लिए मार्किंग मौजूद है।

समस्याओं को हल करने की बजाय अपनी झूठी पीठ थपथपाने में लगी है योगी सरकारः प्रियंका गांधी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में लगातार बढ़ रहे कोरोना मरीजों को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने यूपी सरकार पर निशाना साधा है। प्रियंका गांधी ने कहा यूपी सीएम का कोरोना पर बयान हास्यास्पद है। यूपी में कोरोना के मामले भयावह रूप ले चुके हैं। प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर कहा, 'यूपी सीएम का कोरोना पर बयान हास्यास्पद है। यूपी में कोरोना के मामले भयावह रूप ले चुके हैं। लखनऊ के अस्पतालों के सारे बेड व आईसीयू फुल हैं। अव्यवस्थाओं से लोगों की जानें जा रही हैं। सरकार इन समस्याओं को हल करने की बजाय अपनी झूठी पीठ थपथपाने में लगी है।'' उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 6777 नये मामले सामने आये हैं जो एक रिकार्ड है। वहीं लखनऊ की बात करें तो राजधानी में 5 सितंबर को पहली बार एक साथ 1000 मरीज मिले। इसी के साथ लखनऊ उत्तर प्रदेश का पहला ऐसा जिला बन गया है, जहां एक दिन में 1000 से ज्यादा मामले आए हों। इतना ही नहीं राजधानी में 18 और मरीजों की मौत से जिले में मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 420 पार कर गई है। अब प्रदेश में एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 61625 हो गई है। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने रविवार को बताया कि विगत 24 घंटों में कोरोना के 6777 नए मामले सामने आए हैं जिन्हें मिलाकर एक्टिव मामलों की कुल संख्या 61,625 पहुंच गई है। अब तक मिले कुल मामलों में 2 लाख 738 मरीज ठीक होकर घरों को लौट चुके हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार को प्रदेश में एक लाख 55 हजार 946 सैंपल्स टेस्ट किये गये जो एक रिकार्ड है। राज्य में अब तक कुल 65,00,969 सैंपल्स की जांच की जा चुकी है।

ब्याज पर ब्याज लगाने का सवाल

'सवाल चक्रवृद्धि ब्याज का है। राहत के लिए किस्त भरने से छूट और जुर्माने के तौर पर ब्याज एक साथ नहीं चल सकते। रिजर्व बैंक को यह बात साफ करनी होगी।' यह कहना है सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस आर सुभाष रेड्डी का। सुप्रीम कोर्ट ने बैंक कर्ज पर किस्त न भरने की छूट बढ़ाई तो नहीं है, लेकिन यह निर्देश जरूर दे दिया है कि जिन देनदारों का कर्ज 31 अगस्त तक एनपीए नहीं किया गया है, अब उसे इस मामले पर फैसला होने तक एनपीए नहीं किया जा सकता।

आपको या हमको इसमें होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन की अपनी ईएमआई पर राहत नजर आ रही है। हालांकि, जानकार बार-बार सलाह देते रहे हैं कि अगर बहुत जरूरी न हो, तो इस मोरेटोरियम या राहत का फायदा न उठाएं, क्योंकि आगे चलकर यह बहुत महंगा पड़ सकता है। महंगा पड़ने की वजह वही चक्रवृद्धि ब्याज या कंपाउंड इंटरेस्ट है, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाया है। कारण यह है कि छूट का एलान करते समय ही आरबीआई ने साफ कह दिया था कि छूट सिर्फ किस्त भरने में दी जा रही है और इस छूट के दौरान भी बकाया रकम पर ब्याज जुड़ना जारी रहेगा। इस वक्त ब्याज का यही हिसाब झगड़े का कारण बना हुआ है। अदालत इस बात पर सवाल उठा रही है कि ब्याज पर ब्याज कैसे वसूला जा रहा है? सरकार और बैंकों के संगठन आईबीए की तरफ से यह दलील लगातार दी जा रही है कि ब्याज पर ब्याज ही तो बैंकिंग सिस्टम को चलाता है।

भारत में होम लोन देने वाली सबसे बड़ी कंपनी एचडीएफसी के चेयरमैन तो इस पूरे मसले को ही दुर्भाग्यपूर्ण बता चुके हैं। अपने शेयरधारकों के नाम जारी सालाना चिट्ठी में उन्होंने लिखा कि मोरेटोरियम के मामले पर सुप्रीम कोर्ट आरबीआई से सवाल पूछे, यही दुर्भाग्यपूर्ण है। जिन बुनियादी सिद्धांतों पर वित्तीय प्रणाली चलती है, उन पर ही देश के केंद्रीय बैंक को अदालत के सामने जवाबदेह क्यों होना चाहिए? कोटक महिंद्रा बैंक के मुखिया उदय कोटक और स्टेट बैंक के चेयरमैन रजनीश कुमार भी मोरेटोरियम बढ़ाए जाने के पक्ष में नहीं हैं। उनके लिए मुश्किल और बड़ी है, क्योंकि वहां बात सिर्फ घर या कार के कर्ज की नहीं है। उद्योग और व्यापार में लगे बहुत सारे लोगों, खासकर छोटे और मझोले कारोबारियों के लिए कर्ज चुकाना मुश्किल हो रहा है। सिर्फ स्टेट बैंक का करीब पांच लाख तिरसठ हजार करोड़ रुपये का कर्ज इस वक्त मोरेटोरियम के दायरे में है।

रिजर्व बैंक की ताजा फाइनेंशियल स्टेबिलिटी रिपोर्ट से पता चलता है कि सरकारी बैंकों से खुदरा लोन लेने वाले करीब 80 फीसदी लोग मोरेटोरियम की शरण में जा चुके हैं, यानी अब किस्त नहीं भर रहे हैं। नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों के लिए यह आंकड़ा 45.9 प्रतिशत बताया गया और छोटे बैंकों के लिए 73.2 प्रतिशत। छोटे बैंकों के लिए मुसीबत कितनी बड़ी है, इसका अंदाजा इसी से लगता है कि जहां स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई, कोटक महिंद्रा और एक्सिस जैसे बड़े बैंकों के करीब 30 प्रतिशत से कम कर्ज मोरेटोरियम के दायरे में हैं, वहीं बंधन बैंक के लिए यह अनुपात 71 प्रतिशत है। बंधन बैंक ज्यादातर कर्ज बहुत छोटे व्यापारियों को देता है। बैंकों को डर है कि अभी न जाने और लोग किस्तें न चुकाने की छूट मांगने वाले हैं।

जाहिर है, इस वक्त बैंक, आरबीआई और सरकार, सभी इस मुसीबत से निकलने का रास्ता ढूंढ़ रहे हैं। उन्हें तीर भी चलाना है और परिंदों को भी बचाना है, यानी बैंक और कर्जदार, दोनों को ही बचाने का रास्ता निकालना है। मुसीबत बहुत बड़ी है और इतिहास में कोई उदाहरण नहीं है, जिसे नजीर बनाकर आगे का रास्ता देखा जा सके। इसीलिए वित्त मंत्री बैंक प्रमुखों के साथ बैठकें कर रही हैं और रिजर्व बैंक भी उपाय तलाशने में जुटा है।

वित्त मंत्री ने पिछले दिनों बैंकरों की एक बैठक बुलाई और हिसाब लिया कि कहां किसको कितनी राहत दी जा चुकी है या दी जा रही है? खासकर एमएसएमई, यानी सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्योगों के लिए जो तीन लाख करोड़ रुपये की क्रेडिट गारंटी स्कीम लाई गई है, उसका जायजा लिया गया। बैंकों ने बताया कि अगस्त के अंत तक एक लाख साठ हजार करोड़ रुपये के आसपास के लोन पास हुए, जिनमें से एक लाख ग्यारह हजार करोड़ रुपये के लोन दिए जा चुके हैं। वित्त मंत्री का ज्यादा जोर इस बात पर था कि त्योहारी मौसम आने से पहले जितनी राहत दी जा सकती है, उसे कर्जदारों तक पहुंचाने का इंतजाम किया जाए। बैंकों और एनबीएफसी कंपनियों की सबसे बड़ी चिंता यह है कि कोरोना के पहले तक जिस कर्ज पर एक महीने किस्त नहीं आती थी, उसे वे एनपीए मानकर इंतजाम शुरू कर देते थे। यही सीमा अब तीन महीने कर दी गई है, और यह तीन महीने भी तब से गिने जाएंगे, जब मोरेटोरियम की मियाद खत्म हो जाए। यानी 1 सितंबर से गिनती शुरू होती, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा करने पर भी रोक लगा दी है, जब तक वह इस बारे में अगला आदेश न सुना दे। बैंकों और रिजर्व बैंक, दोनों के लिए इसमें संकट यह है कि उन्हें इस बात का पता ही नहीं चल पाएगा कि कितना कर्ज वापस आने वाला है और कितना डूबने का खतरा है! यही बात वे सुप्रीम कोर्ट में स्पष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं।

जहां तक ब्याज का सवाल है, तो बैंक में रखी रकम पर आपको मूल के साथ ब्याज पर भी ब्याज मिलता है और इस बात की आशंका काफी ज्यादा है कि अगर कहीं अदालत ने वह ब्याज माफ करने का आदेश दे दिया, तो उसका खामियाजा बैंक में पैसा रखने वाले खाताधारकों को भुगतना पड़ सकता है। उनकी बचत पर ब्याज पहले ही बहुत कम हो चुका है, और ऐसी हालत में बैंक उसे और घटाने पर मजबूर हो सकते हैं, यानी मुसीबत के मारों में एक बिरादरी और शामिल हो जाएगी।

ऐसी सूरत में जिम्मेदारी सरकार पर आ सकती है कि बैंकों को होने वाले नुकसान की भरपाई वह अपने खजाने से करे, लेकिन उसके खजाने का जो हाल है, उसे देखते हुए यह समझना भी मुश्किल नहीं है कि ऐसा हुआ, तब भी उसका बोझ आम भारतीय के सिर पर ही आएगा। उम्मीद करनी चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट इस पर फैसला करते समय इस पहलू को भी ध्यान में रखेगा।

सम्पादकीय

नवोन्मेष रैंकिंग में भारत की उछाल

तकनीक के लगातार बढ़ते उपयोग और उपभोग को देखते हुए विकास के लिए नवोन्मेष और नवाचार अत्यंत आवश्यक हो गये हैं. विगत कुछ वर्षों में हमारे देश ने नवोन्मेष के मामले में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसकी वजह से वैश्विक नवोन्मेष सूचकांक (जीआइआइ) की रैंकिंग में भारत चार पायदानों का सुधार करते हुए 48वें स्थान पर पहुंच सका है.

संयुक्त राष्ट्र की संस्था विश्व बौद्धिक संपदा संगठन, कॉर्नेल विश्वविद्यालय और इनसीड बिजनेस स्कूल द्वारा जारी यह सूची 131 देशों के प्रदर्शन पर आधारित है. इस रैंकिंग को हर वर्ष प्रकाशित किया जाता है और यह 80 संकेतकों पर आधारित है, जिनमें बौद्धिक संपदा पेटेंट आवेदन से लेकर मोबाइल-एप्लीकेशन बनाना, शिक्षा पर व्यय और वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी प्रकाशन आदि शामिल हैं. चार पायदान का सुधार कर भारत मध्य और दक्षिण एशिया में नवोन्मेष के मामले में पहले स्थान पर आ गया है. वैसे अभी भी इस सूची के 10 शीर्षस्थ स्थानों पर उच्च आयवाले देश हैं. स्विट्जरलैंड पिछले साल की तरह इस साल भी सर्वोच्च स्थान पर बना हुआ है, जबकि स्वीडन दूसरे स्थान पर और अमेरिका तीसरे स्थान पर है. ब्रिटेन एक पायदान सुधार कर चौथे स्थान पर आ गया है और नीदरलैंड एक स्थान फिसल कर पांचवें स्थान पर पहुंच गया है. दक्षिण कोरिया ने पहली बार सर्वोच्च 10 देशों के बीच में अपनी जगह बनायी है और ऐसा करनेवाला वह दूसरा एशियाई देश है. सूची में आठवें स्थान पर सिंगापुर है. जीआइआइ रैंकिंग में छठे स्थान पर डेनमार्क, सातवें स्थान पर फिनलैंड और नौवें स्थान पर जर्मनी है. इस सूची में भारत के साथ-साथ चीन, फिलीपींस और वियतनाम जैसे एशियाई देशों ने भी विगत सालों में उम्दा प्रदर्शन किया है. इस बार चीन 14वें स्थान पर है. मध्य और दक्षिण एशिया में इस सूची में भारत जहां पहले स्थान पर है, वहीं ईरान और कजाखिस्तान क्रमशः दूसरे एवं तीसरे स्थान पर हैं. गरीब देशों में जीआइआइ रैंकिंग के मामले में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे ज्यादा नवोन्मेषवाली अर्थव्यवस्था माना गया है. भारत ने विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा निर्धारित सभी मानकों में उल्लेखनीय सुधार किया है. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, सेवाओं का निर्यात, सरकारी ऑनलाइन सेवाओं, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में स्नातकों की संख्या तथा अनुसंधान और विकास से जुड़े वैश्विक संस्थानों एवं नवाचार जैसे मानकों में भारत दुनिया के सर्वोच्च 15 देशों में शामिल है. भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान, मुंबई और दिल्ली, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु जैसे संस्थानों और शीर्ष विज्ञान पर आधारित प्रकाशनों के बलबूते भारत यह उपलब्धि प्राप्त कर सका है. इस रैंकिंग में 131 देशों में नवोन्मेष के मोर्चे पर किये जा रहे कार्यों का विश्लेषण किया गया है. इसके मानकों में शैक्षिक संस्थानों एवं वहां किये जा रहे अनुसंधान से जुड़े कार्य, मानव पूंजी व अनुसंधान, आधारभूत संरचना की स्थिति, बाजार एवं कारोबारी कृत्रिमता, ज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं रचनात्मक उत्पादन आदि शामिल हैं. भारत में भी 2019 में राज्यों की ऐसी रैंकिंग की गयी थी, जिसमें कर्नाटक शीर्ष स्थान पर रहा था. उसके बाद क्रमशरू तमिलनाडु और महाराष्ट्र थे, जबकि बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ सूची में सबसे नीचे थे. भारत नवोन्मेष सूचकांक 2019 को वैश्विक नवोन्मेष सूचकांक के अनुरूप तैयार किया गया था, जिसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की नये आविष्कारों को लेकर माहौल एवं उनकी कोशिशों पर गौर किया गया था.

उस राष्ट्रीय सूची में निवेश आकर्षित करने के मामले में भी कर्नाटक पहले स्थान पर था. उसके बाद क्रमशरू महाराष्ट्र, हरियाणा, केरल, तमिलनाडु, गुजरात, तेलंगाना, राजस्थान और उत्तर प्रदेश का स्थान था. उस रैंकिंग का निर्धारण बड़े राज्य, पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्य तथा केंद्र शासित प्रदेश आदि मानकों के आधार पर हुआ था, जिसमें पूर्वोत्तर राज्यों की श्रेणी में सिक्किम शीर्ष पर था, जबकि केंद्र शासित प्रदेशों में दिल्ली का स्थान पहला था. पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों में उम्दा प्रदर्शन करनेवालों में मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा शामिल थे, जबकि केंद्र शासित प्रदेशों में लक्षद्वीप, दिल्ली और गोवा थे. नवोन्मेष सूचकांक की मदद से सतत विकास के लिये जरूरी मानकों को चिह्नित करने में मदद मिलती है. इस रिपोर्ट के अनुसार प्रभावी नीति बनाने के लिये क्षेत्रीय स्तर पर नवोन्मेष की स्थिति को समझना जरूरी है. केवल राष्ट्रीय स्तर पर इस नीति को लागू करना पर्याप्त नहीं है. प्रत्येक राज्य को अपने संसाधनों और विशेषताओं या खूबियों के आधार पर अपनी नीति तैयार करनी चाहिए. नवोन्मेष हमेशा से बदलाव और प्रगति का अगुवा रहा है, क्योंकि इससे पुरानी और कुंद पड़ चुकी गतिविधियां खत्म होती हैं. निष्कर्ष के तौर पर यह कहा जा सकता है कि विकास को गति देने के लिये भारत में नवोन्मेष की संस्कृति को विकसित करना जरूरी है. इसी वजह से भारत में अनुसंधान व विकास संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों को नवोन्मेष केंद्र में तब्दील किया जा रहा है. यह बेहद अहम पहलकदमी है क्योंकि नवोन्मेष के जरिये ही विविध समस्याओं का स्थायी समाधान ढूंढा जा सकता है. देश में बढ़ते प्रदूषण स्तर, विभिन्न हिस्सों में गहराते जल संकट, तेजी से खत्म होते प्राकृतिक संसाधनों के भंडार, जलवायु परिवर्तन से जुड़े मुद्दों, खाद्य पदार्थों की बर्बादी आदि समस्याओं का समाधान नवोन्मेष की मदद से खोजा जा सकता है.

बढ़ते आर्थिक संकट के लिए मोदी की नीतियां जिम्मेदार

राजनीति और अर्थशास्त्र को अलग नहीं किया जा सकता है। राजनीति अर्थशास्त्र की केंद्रित अभिव्यक्ति है। आरएसएस-भाजपा गठबंधन की राजनीति वर्तमान अर्थव्यवस्था के संकट के लिए जिम्मेदार है, जीडीपी की अभूतपूर्व गिरावट (-23.9 फीसदी) और भारत के मेहनतकश लोगों की भारी तबाही का संकेत है। भारत के लिए इस साल सितंबर में समाचार पत्रों में बोल्ड सुर्खियों के साथ भयानक खबर आई। श्माइनस 23.9 प्रतिशतश् प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद की यह खबर थी, जिसने सितंबर के महीने में हमारी रीढ़ को ठंडा करना शुरू कर दिया। हां, आधिकारिक तौर पर जीडीपी 23.9 प्रतिशत कम है। इस साल जनवरी या फरवरी में, हमें अपने केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा दोहरे अंकों में वृद्धि और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का वादा किया गया था। यह ईश्वर का कार्य हैश् वित्त मंत्री हमारे देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने के अपराध को भगवान के कंधों पर स्थानांतरित करने का प्रयास कर रहे हैं।

इसी वर्ष के 5 अगस्त को माननीय प्रधानमंत्री ने रखी अयोध्या में एक राम मंदिर के लिए नींव का पत्थर। कोरोना निश्चित रूप से एक महान, डरावना और खतरनाक स्वास्थ्य खतरा है। इसने सिर्फ कुछ महीनों में ही पूरी दुनिया को अपनी गिरफ्त में ले लिया। अधिकांश गंभीर उपायों को अपनाया गया, जिसमें हवाई यातायात, रेल और सड़क यातायात, औद्योगिक इकाईयों को बंद करना शामिल है। इस प्रकार यह पूरी दुनिया में अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। विश्व अर्थव्यवस्था कोरोना के आने से पहले ही मंदी का सामना कर रही थी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, लगातार मंदी के बारे में चेतावनी दे रही थी और इंगित कर रही थी कि तथाकथित सुधार जो वास्तव में शिक्षा, स्वास्थ्य के व्यावसायीकरण, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के निजीकरण, हर क्षेत्र में विदेशी पूंजी आदि की अनुमति देने के लिए लापरवाह उदारीकरण जैसे समाधान नहीं हैं और ये समाधान हैं और ये नीतियों से हमारी अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने वाली पूर्ण आपदा होगी। मोदी 0.1 ... का अर्थ है कि उनके पहले कार्यकाल के दौरान मोदी की नीतियों को दो बड़े कदमों- नोटबंदी और जीएसटी द्वारा चिह्नित किया गया था। अनौपचारिक क्षेत्र को बर्बाद करने के लिए प्रदर्शन का नेतृत्व किया गया, जिससे गरीबों को बहुत दुख हुआ और भ्रष्टाचार, आतंकवाद और काले धन पर अंकुश लगाने में पूरी तरह से विफल रहा। मोदी ने उसके जितने उद्देश्य घोषित किए थे, सारे के सारे पराजित हो गए। यानी एक भी उद्देश्य पूरा नहीं हो सका। जीएसटी ने एमएसएमई क्षेत्र को एक झटका दिया। आज ज्यादातर राज्य सरकारें अपने कर्मचारियों को वेतन नहीं दे पा रही हैं। केंद्र सरकार की सलाह है कि राज्य सरकारें आरबीआई से ऋण लें। यह एक विडंबना है कि जब श्री मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब राज्य सरकार ने जीएसटी का कड़ा विरोध किया था। अब जब मोदी प्रधान मंत्री हैं तो केंद्र सरकार ने वन नेशन वन टैक्स के नाम पर जीएसटी लागू करना शुरू किया। राज्य सरकारों को अपनी टैक्सिंग शक्तियों का 70 प्रतिशत हिस्सा देना पड़ता है, जिसमें पूरे वैट शासन को जीएसटी शासन में शामिल करना शामिल है। यह केंद्र सरकार द्वारा पांच वर्षों के लिए जीएसटी संग्रह में कमी का पूरा मुआवजा देने के वादे पर था। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने संसद में जीएसटी पर बहस के समय राजकोषीय संघवाद और राज्य सरकारों की शक्तियों पर सवाल उठाया। यह भी बताया कि जीएसटी शासन कॉर्पोरेट और बड़े व्यापारिक घरानों के लिए एक साझा बाजार बनाने का प्रयास है।

2008 के वैश्विक वित्तीय मंदी ने नव-उदारवादी विश्व व्यवस्था की वास्तविकताओं को और अधिक गहराई से उजागर किया। इस मुद्दे पर बहस के दौरान तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी और तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने दावा किया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के प्रभाव का सामना करने के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था के मूल तत्व मजबूत थे। वे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों की भूमिका भी स्वीकार करते हैं। 2008 विश्व आर्थिक संकट की वजह से दो वित्तीय संस्थानों के पतन के कारण अत्यधिक ऋण और उन ऋणों को चुका पाने में विफल हुई। एनपीए आज की सबसे बड़ी समस्या है जिसका बैंकिंग उद्योग सामना कर रहा है। मोदी सरकार बैंक ऋणों की वसूली और विलफुल डिफॉल्टरों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाइयों और खुशी से विदेश में रह रहे भगोड़े लोगों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने में विफल रही है। कोविद -19 लॉक डाउन मार्च के महीने में घोषित किया गया था, हालांकि भारत में जनवरी के अंत में पहला मामला दर्ज किया गया था। मोदी सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के स्वागत की तैयारियों में व्यस्त थी। भाजपा और आरएसएस के संगठन देश भर में विशेष रूप से दिल्ली में सीएए विरोध को तोड़ने और दिल्ली विधानसभा चुनावों में लाभ लेने के लिए सांप्रदायिक आधार पर लोगों का ध्रुवीकरण करने में आक्रामक थे।

जून के महीने में वर्तमान भारत-चीन गतिरोध हुआ। विभिन्न स्तरों पर बातचीत के बावजूद स्टैंड-ऑफ जारी है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि मोदी हमारी भूमि, हमारे जल, हमारे जंगल और अंत में हमारी जगह को बेचकर और एक अंबानी को खिलौने उद्योग में भी निवेश कर रहे हैं, एक और अंबानी को रफेल सौदे से अमीर बना रहे हैं, अडानी को हवाई अड्डे पर हवाई अड्डे बेच रहे हैं। रेलवे को बेचना, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक बुनियादी ढांचे का निर्मम निजीकरण करना। मोदी के कुशासन के प्रतिरोध को रोकने के लिए छद्म राष्ट्रवाद का उपयोग किया जाता है युद्धोन्माद और अल्ट्रा नेशनलिज्म को लोगों के दिमाग को मोड़ने के लिए आगे बढ़ाया जा रहा है। कार्यकर्ताओं पर हमला और असंतोष और अंतर की आवाज को दबाने ने लोकतंत्र को संकट में डाल दिया गया है। संघवाद नष्ट हो रहा है। हम जानते हैं कि अनुच्छेद 370 को कैसे लगभग समाप्त कर दिया गया। नागरिकता संशोधन अधिनियम भारतीय संविधान के धर्मनिरपेक्ष चरित्र पर सबसे बड़ा आघात है। सांप्रदायिक लाइन पर जनता को ध्रुवीकृत करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण पर हमला और दलितों और आदिवासियों पर बढ़ते अत्याचार स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि सरकार संविधान में निहित कार्रवाई और सामाजिक न्याय की पुष्टि करने की नीति को कैसे प्रभावित कर रही है। यह सरकार लोगों की पीड़ा के प्रति असंवेदनशील है। लोगों को निराशाजनक और असुरक्षित नहीं छोड़ा जाना चाहिए। वामपंथियों को लोगों को जुटाने और संघर्षों में उनका नेतृत्व करना चाहिए। भाजपा-आरएसएस की इस कॉरपोरेट, सांप्रदायिक, फासीवादी सरकार को उखाड़ फेंकने की लड़ाई देश और संविधान को बचाने के लिए अनिवार्य हो गई है। ऐसे समय में जब दक्षिणपंथी विचारधारा यह घोषित करती है कि देश में कोई विरोध नहीं है, वाम दलों को इस चुनौती को उठाना चाहिए और आरएसएस-भाजपा गठबंधन के वास्तविक विरोध के रूप में उभरना चाहिए।

विरले होते हैं प्रणब दा जैसे नेता

लेकिन वे अपनी स्वतंत्र राय रखते थे. इसलिए कभी कांग्रेस नेतृत्व की पसंद नहीं बन पाये. यहां तक कि राष्ट्रपति पद के लिए भी वे कांग्रेस की पहली पसंद नहीं थे, लेकिन अन्य अनेक दलों ने उनका समर्थन कर दिया, तो कांग्रेस के पास कोई चारा नहीं था. मनमोहन सरकार के कार्यकाल में जब भी कोई राजनीतिक संकट आया, प्रणब दा तारणहार बने. वे यूपीए सरकार के दौरान संकट के हल के लिए गठित लगभग दो दर्जन मंत्रिमंडलीय समितियों के प्रमुख रहे. हर संकट में कांग्रेस पार्टी उन्हीं की ओर देखती थी और वे अपने कौशल से हर संकट का समाधान निकाल लेते थे. उनका आदर सभी दलों के लोग करते थे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उतना ही सम्मान करते हैं, जितना कांग्रेस का कोई अन्य बड़ा नेता. मोदी सरकार के दौरान ही उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया. उनमें कई अद्भुत गुण थे. राष्ट्रपति भवन के कार्यक्रमों में मुझे अनेक बार जाने का अवसर मिला. मुझे उनके साथ जॉर्डन, इस्राइल, फिलीस्तीन और मॉरीशस की यात्रा का अवसर मिला. मॉरीशस में वे वहां के राष्ट्रीय दिवस के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे. यात्राओं में वे पत्रकारों से खुल कर बात भी करते थे. ज्यादातर पत्रकार उन्हें प्रणब दा कह कर ही संबोधित करते थे. पत्रकारों से बातचीत में वे कोई प्रतिक्रिया नहीं देते थे, बस सुनते थे.

जॉर्डन, इस्राइल, फिलीस्तीन की यात्रा की कहानी दिलचस्प है. दरअसल, भारत इसके पहले तक इस्राइल के साथ अपने रिश्तों को दबा-छिपा कर रखता आया था. भारत फिलीस्तीनियों का बहुत करीबी दोस्त रहा है और फिलीस्तीनी राष्ट्र निर्माण के संघर्ष में उसने साथ दिया है., लेकिन अब फिलीस्तीनियों के लिए समर्थन लगातार कम होता जा रहा है. मौजूदा सच्चाई यह है कि इस्राइल भारत का सबसे भरोसेमंद साथी है. भारत इस्राइल के साथ रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में ही नहीं, डेयरी, सिंचाई, ऊर्जा और कई तकनीकी क्षेत्रों में साझेदारी कर रहा है. दरअसल, पीएम मोदी का इस्राइल के प्रति झुकाव जगजाहिर है. वे वहां की यात्रा करना चाहते थे, लेकिन विदेश मंत्रालय मध्य पूर्व के देशों की प्रतिक्रिया को लेकर सशंकित था. काफी विमर्श के बाद यह तय हुआ कि राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी पहले यात्रा करेंगे. इससे प्रतिक्रिया का अंदाजा लगेगा, लेकिन प्रणब बाबू फिलीस्तीनी लोगों का साथ छोड़ने के पक्ष में नहीं थे. उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि वे इस्राइल जायेंगे, लेकिन साथ ही रमल्ला, फिलीस्तीन भी जायेंगे. विदेश मंत्रालय ने काफी माथापच्ची के बाद जॉर्डन, फिलीस्तीन और इस्राइल का कार्यक्रम बनाया. यात्रा में मध्य पूर्व के एक देश जॉर्डन को भी डाला गया, ताकि यात्रा सभी पक्षों की नजर आए. वहां से चल कर हम लोग तेल अवीव, इस्राइल होते हुए रमल्ला, फिलीस्तीन क्षेत्र पहुंचे. यह पूरा क्षेत्र अशांत है और आये दिन गोलीबारी होती रहती है, लेकिन प्रणब दा ने एक रात फिलीस्तीन क्षेत्र में गुजारने का कार्यक्रम बनाया. उनके साथ हम सब पत्रकार भी थे. फिलीस्तीन में हम लोग वहां के नेता और राष्ट्रपति महमूद अब्बास के मेहमान थे. किसी बड़े देश का राष्ट्राध्यक्ष पहली बार फिलीस्तीन क्षेत्र में रात गुजार रहा था. हमें बताया गया कि नेता हेलीकॉप्टर से आते हैं और बातचीत कर कुछेक घंटों में तुरंत उस क्षेत्र से निकल जाते हैं. कोई नेता इस क्षेत्र में रात गुजारने का जोखिम नहीं उठाता. यहां होटल आदि भी कोई खास नहीं थे. हमें एक सामान्य से दो मंजिला होटल में ठहराया गया. ऊपरी मंजिल में राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी और उनकी टीम और नीचे की मंजिल में हर सब पत्रकार ठहरे थे. फिलीस्तीन क्षेत्र में प्रणब बाबू गार्ड ऑफ ऑनर में भी शामिल हुए. अपने सम्मान में आयोजित रात्रि भोज में भी उन्होंने शिरकत की. अगले दिन फिलीस्तीन के अल कुद्स विश्वविद्यालय में उन्हें डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया.

उसके बाद उनका भाषण था, लेकिन एक फिलीस्तीनी छात्र की इस्राइली सैनिकों की गोलीबारी में मौत के कारण वहां हंगामा हो गया. किसी तरह हम सभी यरुशलम, इस्राइल पहुंचे. यहां संसद को संबोधन से लेकर अनेक व्यस्त कार्यक्रमों में प्रणब मुखर्जी ने दमदार उपस्थिति दर्ज करायी.

मेरा मानना है कि प्रणब मुखर्जी ने ही एक तरह से प्रधानमंत्री मोदी की इस्राइल यात्रा की नींव रखी थी. दूसरी महत्वपूर्ण यात्रा मॉरीशस की थी, जिसमें प्रणब दा वहां के राष्ट्रीय दिवस में मुख्य अतिथि थे. मॉरीशस में बड़ी संख्या में भारतवंशी हैं और अधिकांश पूर्वांचली हैं. शिवसागर रामगुलाम एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को 21 तोपों की सलामी दी गयी. उनकी अगवानी करने प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम पूरी कैबिनेट के साथ मौजूद थे. मॉरीशस की आबादी लगभग 12 लाख है. इसमें लगभग 70 फीसदी लोग भारतवंशी हैं. इनमें बड़ी संख्या बिहार और पूर्वी उप्र के लोगों की है, जिन्हें गिरमिटया मजदूर कहा जाता है, लेकिन इन लोगों ने अपने आपको इस देश में स्थापित किया और सत्ता के शिखर तक पहुंचे. मॉरीशस के राष्ट्रपिता कहे जाने वाले सर शिवसागर रामगुलाम सन् 1968 में देश के पहले प्रधानमंत्री बने. मॉरीशस में उस दौरान दोनों महत्वपूर्ण पद भारतवंशियों के पास थे- प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम थे और राष्ट्रपति राजकेश्वर प्रयाग. भारत और मॉरीशस के राष्ट्रपतियों की मौजूदगी में आपसी सहयोग बढ़ाने के समझौतों पर हस्ताक्षर हुए. भारत की ओर से समझौते पर हस्ताक्षर तत्कालीन केंद्रीय गृह राज्यमंत्री आरपीएन सिंह ने किये. इस दौरान सीमित संख्या में दोनों ओर के पत्रकार मौजूद थे. राष्ट्रपति के दौरे में अमूमन प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं होता है. इसमें भी नहीं थी. उस दौरान मॉरीशस के जरिये भारत में विदेशी निवेश की व्यवस्था पर अनेक सवाल उठ रहे थे. अचानक मॉरीशस का एक पत्रकार उठा और इसको लेकर सवाल पूछ लिया. आरपीएन सिंह आर्थिक विषयों के जानकार नहीं हैं. अचानक पूछे सवाल से अचकचा गये. तब राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी आगे आये. प्रणब बाबू भारत के वित्त मंत्री रहे थे. उन्होंने ऐसा सधा जवाब दिया कि वहां मौजूद लोगों ने उसका जोरदार तालियां से स्वागत किया. प्रणब बाबू के साथ यात्रा की एक और खासियत रहती थी. वे पत्रकारों से उनका हालचाल अवश्य पूछते थे. कई बार वे एक शब्द कहते थे- एन्जाय यानी मस्त रहिए. वे वापसी में प्रेस कॉन्फ्रेंस जरूर करते थे. इसमें किसी भी किस्म के सवाल पूछने की छूट रहती थी. ऐसे थे हमारे प्रणब बाबू, जिनसे हम सब बहुत कुछ सीख सकते हैं.

सार समाचार .....

पूर्व वर्ल्ड चैम्पियन योहानेस ने 97.76 मीटर भाला फेंका

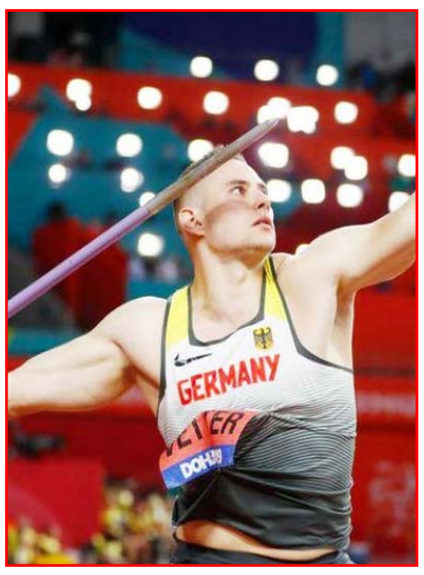

नई दिल्ली **एजेंसी।** पूर्व वर्ल्ड चैम्पियन जर्मनी के जेवेलियन थ्रोअर योहानेस वेटेर रविवार को वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गए। उन्होंने पोलैंड के एक टूर्नामेंट में 97.76 मीटर भाला फेंका। ऐसा करने वाले वे इतिहास के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं।

उनसे पहले चेकोस्लोवाकिया के जन जेलेज्नी ने 1996 में 98.48 मीटर भाला फेंका था। 24 साल से यह वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम है। जेलेज्नी तीन बार को ओलिंपिक चैम्पियन भी रह चुके हैं।

खुद का पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

वहीं, वर्ल्ड रिकॉर्ड से चूके योहानेस ने 2017 के लंदन में हुए वर्ल्ड चैम्पियनशिप में गोल्ड जीता था। वे जेलेज्नी का रिकॉर्ड नहीं तोड़ सके, लेकिन उन्होंने खुद का पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उन्होंने अपने पिछले रिकॉर्ड से 4 मीटर ज्यादा गोल फेंका।

थॉमस रोहलेर को पीछे छोड़ा

इसी के साथ योहानेस ने हमवतन थॉमस रोहलेर को पीछे छोड़ दिया है। रोहलेर 2017 में 93.90 मीटर भाला फेंककर दूसरे एथलीट बने थे।

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को लगातार तीसरा मैच हराया, 3 मैच की सीरीज में 2-0 से आगे

बेंगलुरू एजेंसी। इंग्लैंड ने साउथैंप्टन में हुए तीन टी-20 की सीरीज के दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से हराया। यह इंग्लैंड की ऑस्ट्रेलिया पर लगातार तीसरी जीत है। सीरीज के पहले टी-20 में भी इंग्लैंड 2 रन से जीता था। इससे पहले, 2018 में बर्मिंघम में इंग्लिश टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 28 रन से शिकस्त दी थी। दोनों टीमों के बीच सीरीज का आखिरी मुकाबला 8 सितंबर को साउथैंप्टन में ही होगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा टी-20 जीतने के साथ ही इंग्लैंड ने सीरीज पर भी कब्जा कर लिया। यह इंग्लैंड की 2 साल के भीतर लगातार सातवीं टी-20 सीरीज है, जिसमें वो नहीं हारा। इस दौरान उसने 6 सीरीज जीती। सिर्फ पाकिस्तान के खिलाफ पिछले महीने हुई टी-20 सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही। उसने श्रीलंका, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और अब टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 टीम ऑस्ट्रेलिया को हराया।

बटलर मैन ऑफ द मैच रहे

इंग्लैंड के लिए सलामी बल्लेबाज जोस बटलर ने सबसे ज्यादा 77 रन बनाए। टी-20 में ओपनिंग करते हुए बटलर की यह 11पारियों में पांचवी फिफ्टी है। यह उनके टी-20 करियर का हाइएस्ट स्कोर भी है। उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। इंग्लैंड के लिए डेविड मलान ने 42 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से एश्टन एगर ने दो विकेट लिए, जबकि मिशेल स्टार्क और एडम जांपा को एक-एक विकेट मिला।

ऑस्ट्रेलिया के एगर ने दो विकेट लिए

इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 157 रन बनाए। मेहमान टीम के लिए कप्तान एरॉन फिंच ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। मार्कस स्टोइनिस (35), डेविड वॉर्नर (0), एलेक्स कैरी (2), स्टीव स्मिथ (10) रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड के लिए क्रिस जॉर्डन ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद और मार्क वुड को एक-एक विकेट मिला।

पहले टी-20 में स्लो ओवर रेट के लिए इंग्लैंड टीम पर जुर्माना

इस मैच के लिए दोनों टीमों ने प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं किया। इंग्लैंड टीम पर पहले टी-20 में स्लो ओवर रेट के कारण मैच फीस का 20 फीसदी जुर्माना लगा। 17 में से ऑस्ट्रेलिया ने 9 मैच जीते दोनों देशों के बीच अब तक 18 टी-20 हुए हैं। इसमें ऑस्ट्रेलिया ने 9 और इंग्लैंड ने 8 जीते हैं। एक मैच बेनतीजा रहा। इंग्लैंड में भी ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। दोनों देशों के बीच इंग्लैंड में अब तक 8 मैच हुए। इसमें ऑस्ट्रेलिया सिर्फ एक जीता है, जबकि 6 हारा है। एक मुकाबला बेनतीजा रहा।

ओलिंपिक क्वालिफाइड दीपक पूनिया समेत 3 पहलवान संक्रमित हुए

भोपाल एजेंसी। टोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके दीपक पूनिया समेत तीन भारतीय रेसलर का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की।

जोकोविच 140 साल के इतिहास में डिसक्वालिफाई होने वाले तीसरे खिलाड़ी

वे टूर्नामेंट के 140 साल के इतिहास में डिसक्वालिफाई होने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। सर्बिया के जोकोविच का यह प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबला स्पेन के पबेले कैरेनो बस्टो से हो रहा था। जोकोविच इसमें पहले सेट में 5-6 से पीछे थे। इसी झुंझलाहट में उन्होंने एक शॉट मारा जो सीधे महिला अधिकारी को गर्दन में जाकर लगा। हालांकि, जोकोविच महिला के पास उसका हालचाल जानने पहुंचे थे। मगर कुछ देर बाद महिला उठी और कोर्ट से बाहर चली गई।

नई दिल्ली | एजेंसी।

दुनिया के नंबर वन टेनिस प्लेयर नोवाक जोकोविच रविवार को हुए यूएस ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में डिसक्वालिफाई करार दिए गए। इसके बाद महिला को कुछ देर के लिए सांस लेने में दिक्कत हुई। इसके बाद मैच रैफरी ने आपस में चर्चा करने के बाद जोकोविच से भी बात की और जोकोविच को डिसक्वालिफाई कर दिया गया।

एक यूजर ने इस मैच का एक वीडियो ट्वीट किया। इसमें जोकोविच द्वारा हिट की गई बॉल वहां मौजूद महिला ऑफिशियल को लगती हुई दिख रही है। इस दौरान महिला अपने स्थान पर गिरती नजर आ रही है। डिसक्वालिफाई होने वाले जोकोविच तीसरे खिलाड़ी ग्रैंड स्लैम के इतिहास में डिसक्वालिफाई होने वाले सर्बिया के प्लेयर जोकोविच तीसरे खिलाड़ी हैं। जोकोविच से पहले 1990 में जॉन मैकेनरो आस्ट्रालयन आपन स जबाक 2000 म स्टाफन कुबक फ्रेंच ओपन से डिसक्वालिफाई कर दिए गए थे।

जोकोविच के पास 18वां ग्रैंड स्लैम जीतने का मौका था इस बार सबसे ज्यादा 20 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर और 19 ग्रैंड स्लैम चैम्पियन स्पेन के राफेल नडाल नहीं खेल रहे। ऐसा 21 साल में पहली बार है, जब यह दोनों दिग्गज टूर्नामेंट नहीं खेले रहे हैं। ऐसे में जोकोविच के पास 18वां ग्रैंड स्लैम जीतने का मौका था। फेडरर ने 2004 में पहली बार यूएस ओपन जीता था

फेडरर ने 1999 और नडाल ने 2003 में पहली बार यूएस ओपन खेला था। यूएस ओपन खिताब की बात करें, तो फेडरर ने पहला खिताब 2004 और नडाल ने 2010 में जीता था। रोजर फेडरर इस बार घुटने की चोट की वजह से टूर्नामेंट नहीं खेल रहे हैं जबकि नडाल ने कोरोना के कारण इस टूर्नामेंट से हटने का फैसला लिया।

यूएसटीए ने जोकोविच मामले पर बयान जारी किया यूएस ओपन के नियमानुसार, यदि कोई खिलाड़ी किसी ऑफिशियल या दर्शक को चोटिल करता है तो नतीजतन उस पर जुर्माना लगाने के साथ ही उसे डिसक्वालिफाई किया जाता है। मैच रैफरी ने नोवाक जोकोविच को भी दोषी पाया। इसके मुताबिक, टूर्नामेंट में प्री क्वार्टर मुकाबले तक पहुंचने पर जोकोविच को मिलने वाली प्राइज मनी काट ली जाएगी। साथ ही जो रैंकिंग पाइंट किसी खिलाड़ी को मिलते हैं, वह भी कम कर दिए जाएंगे।

अंशु फाती ने 95 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली एजेंसी। बार्सिलोना के स्टार अंशु फाती सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल गोल करने वाले स्पेन के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने अपना पहला इंटरनेशनल गोल सोमवार यूक्रेन के खिलाफ किया। फाती की उम्र 17 साल और 311 दिन है। फाती ने युआन इरेजक्विन का 95 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। युआन ने 1925 में 18 साल की उम्र में स्विट्जरलैंड के खिलाफ गोल किया था। इसी के साथ कोरोना के बीच खेले जा रहे नेशंस लीग में स्पेन ने यूक्रेन को 4-0 से शिकस्त दी। टीम के लिए सर्जियो रामोस ने 2 गोल तीसरे और 29वें मिनट में किए। वहीं चौथा गोल फेरान टॉरेस ने 84वें मिनट में दागा।

अपने दूसरे ही मैच में फाती ने गोल दागा

फाती का यह दूसरा इंटरनेशनल मैच था। उन्होंने अपना डेब्यू जर्मनी के खिलाफ किया था, जिसमें वे गोल नहीं कर सके थे। स्पेन और जर्मनी का यह मैच 1-1 से ड्रॉ हो गया था।

इस सीजन में फाती के 12 गोल

बार्सिलोना के स्टार फुटबॉलर फाती ने मौजूदा सीजन के 42 मैच में 12 गोल किए हैं। इस दौरान उन्होंने स्पेनिश लीग ला लिगा के 24 मुकाबलों में 7 और यूईएफए यूथ लीग के 9 मैच में 4 गोल किए हैं।

बोपन्ना यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में

न्यूयार्क, एजेंसी। भारत के रोहन बोपन्ना और उनके जोड़ीदार कनाडा के डेनिस शापोवालोव ने पहला सेट हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए अगले दोनों सेट जीतकर वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल और युगल खिलाड़ी दिविज शरण की हार के बाद रोहन बोपन्ना ने भारतीय उम्मीदों को कायम रखते हुए अंतिम आठ में स्थान बना लिया है।

बोपन्ना और शापोवालोव ने दूसरे दौर के मुकाबले में छठी सीड जोड़ी जर्मनी के केविन क्रावित्ज और अन्द्रियस माइस को तीन सेटों के संघर्ष में 4-6, 6-4,6-3 से पराजित किया। विजेता जोड़ी ने यह मुकाबला एक घंटे 47 मिनट में जीता।

एक दिन का खेल होने के बाद इंग्लैंड का घरेलू क्रिकेट मैच रद्द

दिल्ली | एजेंसी।

इंग्लैंड में खेले जा रहे घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट बॉब विलिज ट्रॉफी का एक मैच कोरोना के कारण रद्द कर दिया गया है। यह मैच ग्लोसिस्टरशायर और नॉर्थैप्टनशायर के बीच खेला जा रहा था। मैच में पहले दिन का खेल हो चुका था, जिसमें ग्लोसिस्टरशायर ने 6 विकेट पर 66 रन बना लिए थे।

इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा, ''मैच अधिकारियों ने दोनों टीमों के साथ समझौते के बाद मैच को रद्द कर दिया है। यह फैसला कोरोना से जुड़े मामले को लेकर सावधानी बरतते हुए लिया गया।''

एक सदस्य के संक्रमित पाए जाने के कारण मैच रद्द

ईसीबी ने कहा, ''खिलाड़ियों के साथ अधिकारियों और अन्य स्टाफ की सेहत और सुरक्षा ही ईसीबी और फर्स्ट क्लास काउंटी की पहली प्राथमिकता है।'' बोर्ड ने इस मामले में ज्यादा जानकारी नहीं दी, लेकिन बीबीसी रिपोर्ट की मानें तो नॉर्थैप्टनशायर टीम का एक सदस्य कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। इसके कारण मैच रद्द कर दिया गया।

टूर्नामेंट में 4 दिवसीय मैच खेले जाते हैं

बॉब विलिज ट्रॉफी के तहत 4 दिन का टेस्ट मैच खेला जाता है। यह टूर्नामेंट कोरोनावायरस महामारी के बीच काउंटी चैम्पियनशिप की जगह खेला जा रहा है।

कोरोना की चपेट में भारतीय रेसलर

नई दिल्ली , एजेंसी। वर्ल्ड चैम्पियनशिप में ब्रॉन्ज जीतने वाले रेसलर राहुल अवारे कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। वे नेशनल कैंप के लिए स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के सोनीपत सेंटर में गए थे। यहां उनकी कोरोना जांच हुई थी, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। वे कोरोना संक्रमित होने वाले देश के पांचवें रेसलर हैं। राहुल से पहले विनेश फोगाट, दीपक पुनिया समेत चार अन्य रेसलर भी कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। राहुल ने पिछले साल नूर-सुल्तान में हुई वर्ल्ड चैम्पियनशिप में 61 किलो की नॉन ओलिंपिक वेट कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

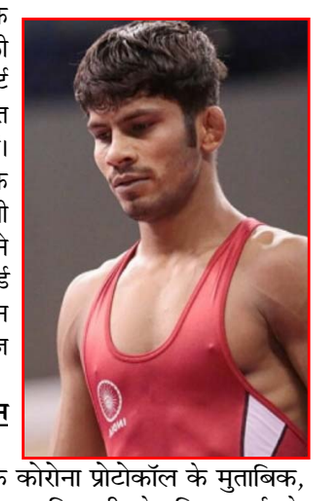

अवारे को एहतियातन अस्पताल में रखा जाएगा

साई ने एक बयान में कहा कि कोरोना प्रोटोकॉल के मुताबिक, अवारे को एहतियात के तौर पर निगरानी के लिए साई के हॉस्पिटल में रखा जाएगा। कैंप में पहुंचने के बाद से ही अवारे आइसोलेशन में थे और किसी के भी संपर्क में नहीं आए थे। उनमें किसी तरह के लक्षण भी नहीं मिले थे। दीपक अस्पताल से डिस्चार्ज हो गए हैं। वे फिलहाल घर में आइसोलेशन में हैं। वहीं, विनेश की भी दो कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आ चुकी है। लेकिन वे अभी भी एहतियातन होम आइसोलेशन में हैं।

आईपीएल में कोरोना का 15वां केस

नई दिल्ली , एजेंसी।

चेन्नई सुपरकिंग्स के बाद अब दिल्ली कैपिटल्स में भी कोरोना संक्रमण का मामला सामने आया है। टीम के असिस्टेंट फिजियोथेरेपिस्ट संक्रमित पाए गए हैं। उन्हें 14 दिन के लिए दुबई स्थित आईपीएल की आइसोलेशन फैसिलिटी में 14 दिन के लिए क्वारैंटाइन किया गया है। 14 दिन की मियाद पूरी होने के बाद अगर उनकी दो कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आती है, तो उन्हें टीम से जुड़ने की इजाजत दे दी जाएगी।

चेन्नई के 13 मेंबर्स की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी

यह आईपीएल में संक्रमण का 15वां मामला है। बीते महीने चेन्नई सुपरकिंग्स के 2 खिलाड़ियों समेत सपोर्ट स्टाफ के 13 मेंबर्स की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। इससे पहले, राजस्थान रॉयल्स के फील्डिंग कोच दिशांत याग्निक भी संक्रमित पाए गए गए थे। हालांकि, उनकी रिपोर्ट यूएई जाने से पहले पॉजिटिव आई थी। इसके बाद वे 14 दिन तक घर में ही क्वारैंटाइन रहे और यूएई जाने से पहले उनकी दोनों कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई। वे फिलहाल टीम के साथ हैं।

फिजियोथेरेपिस्ट टीम के किसी मेंबर के संपर्क में नहीं थे

दिल्ली कैपिटल्स ने एक बयान जारी कर बताया कि फिजियोथेरेपिस्ट दुबई पहुंचने के बाद से ही क्वारैंटाइन थे और इससे पहले उसकी कोरोना की दो टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव आई थी। लेकिन तीसरी बार ये रिपोर्ट पॉजिटिव आई। अच्छी बात

ये है कि वो किसी खिलाड़ी या दूसरे सपोर्ट स्टाफ के साथ संपर्क में नहीं थे। दिल्ली की मेडिकल टीम उनके संपर्क में है।

दिल्ली टीम का शेड्यूल

दिल्ली टीम आईपीएल का अपना पहला मैच 20 सितंबर को किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ खेलेगी। यह मैच दुबई में शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। टीम 7 मैच दुबई, 4 अबु धाबी और तीन शारजाह में खेलेगी।

दुबई में आईपीएल के 24 मैच होंगे

दिल्ली टीम में कोरोना संक्रमण का पहला उसी दिन सामने आया, जब रविवार को बीसीसीआई ने लीग का शेड्यूल जारी किया। लीग का ओपनिंग मैच 19 सितंबर को चेन्नई और मुंबई के बीच होगा। लीग के इतिहास में यह चौथा मौका है, जब दोनों टीमें ओपनिंग मैच खेलेंगी। अब तक हुए तीन मैच में 2 बार मुंबई और एक बार चेन्नई जीती है। फाइनल 10 नवंबर यानी मंगलवार को होगा। शेड्यूल के हिसाब से दुबई में 24, अबु धाबी में 20 और शारजाह में 12 मैच होंगे।

आईओसी के वाइस-प्रेसिडेंट ने कहा अगले साल तय समय पर गेम्स होंगे

दिल्ली | एजेंसी।

इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के वाइस-प्रेसिडेंट जॉन कोट्स ने अगले साल होने वाले टोक्यो गेम्स को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगले साल टोक्यो ओलिंपिक तय समय पर होकर रहेंगे। चाहे कोरोना के साथ हों या फिर उसके बगैर। कोरोना के कारण इस साल होने वाले टोक्यो गेम्स पहले ही एक साल के लिए टाले जा चुके हैं। अब यह 2021 में 23 जुलाई से 8 अगस्त तक होंगे।

'टोक्यो गेम्स अगले साल 23 जुलाई से शुरू हो जाएंगे'

जॉन कोट्स टोक्यो ओलिंपिक के लिए बनाई गई आईओसी की कॉर्डिनेशन कमीशन के चीफ भी हैं। उन्होंने न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कहा, ''यह (टोक्यो ओलिंपिक) तय जगह और समय पर होंगे। चाहे कोरोना के साथ या उसके बगैर। गेम्स अगले साल 23 जुलाई से शुरू हो जाएंगे।''

गेम्स के लिए कोरोना वैक्सीन की शर्त जरूरी नहीं- मुतो

हाल ही में टोक्यो गेम्स के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) तोशीरो मुतो ने कहा था, ''अगले साल ओलिंपिक और पैरालिंपिक के लिए कोरोना वैक्सीन की शर्त जरूरी नहीं है। आईओसी और वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) से इस पर पहले ही बात हो चुकी है। यदि इस दौरान वैक्सीन आ जाती है, तो यह गेम्स के लिए अच्छा होगा। हालांकि, अगर आप मुझसे यह पूछेंगे कि वैक्सीन का होना शर्त है, तो मैं इससे इनकार करता हूं।''

टालने की नौबत आई तो टोक्यो गेम्स को रद्द ही किया जाएगा

मुतो ने कहा था, ''दर्शकों को लेकर हमारी कोई शर्त नहीं है। हम चाहेंगे कि दर्शक स्टेडियम में न आएं, लेकिन अभी इस पर आखिरी फैसला नहीं लिया गया है।'' वहीं, स्थानीय लोग चाहते हैं कि टोक्यो गेम्स को रद्द कर दिया जाए या फिर हो सके तो टाल दिया जाए। हालांकि, 2022 में फुटबॉल का वर्ल्ड कप (कतर) और विंटर ओलिंपिक (बीजिंग) के कारण टोक्यो गेम्स को टालना मुश्किल है। आईओसी स्पष्ट कर चुका है कि टालने की नौबत आई तो गेम्स को रद्द ही किए जाएंगे।

ओलिंपिक टलने से जापान को 56 हजार करोड़ रु. का नुकसान

जापान की डेली निक्कन स्पोर्ट्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ओलिंपिक के एक साल टलने से जापान और विश्व की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ा है। अकेले जापान को इससे 56 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है।

13 सीजन में चौथी बार मुंबई और चेन्नई के बीच होगा पहला मैच

इस बार ओपनिंग मैच डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच होगा।

नई दिल्ली | एजेंसी।

कोरोनावायरस के कारण यूएई में होने जा रहे आईपीएल के 13वें सीजन का शेड्यूल रविवार को जारी हुआ। लीग के इतिहास में यह चौथा मौका है, जब दोनों टीमें ओपनिंग मैच खेलेंगी। अब तक हुए तीन मैच में 2 बार मुंबई और एक बार चेन्नई जीती है। मुंबई इंडियंस सबसे ज्यादा 7 बार आईपीएल का ओपनिंग मैच खेलने वाली टीम बनेगी। उसने अब तक 6 ओपनिंग मैच खेले हैं, जबकि कोलकाता नाइटराइडर्स ने भी इतनी ही बार पहला मैच खेला है।

दोनों टीमों के बीच हुआ पिछला मैच चेन्नई जीती

दोनों टीमों के बीच आईपीएल का पिछला ओपनिंग मैच 2018 में हुआ था। तब चेन्नई सुपरकिंग्स रोमांचक मुकाबले में एक विकेट से जीती थी। उस मैच में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 165 रन बनाए थे। जवाब में चेन्नई ने एक गेंद रहते 9 विकेट पर 169 रन बनाकर मैच जीत लिया था। इससे पहले, दोनों टीमों ने 2012 में भी लीग का ओपनिंग मैच खेला था। तब मुंबई इंडियंस 8 विकेट से जीती थी। उस मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स पहले बल्लेबाजी करते हुए 112 रन पर ऑलआउट हुई थी। तब मुंबई ने 16.5 ओवर में 2 विकेट गंवाकर टारगेट हासिल कर लिया था। 2009 के आईपीएल में भी मुंबई इंडियंस ने ओपनिंग मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स को 19 रन से हराया था।

दोनों टीमें कुल 7 बार आईपीएल का खिताब जीतीं

लीग के इतिहास में मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपरकिंग्स सबसे सफल टीमें हैं। अब तक हुए 12 टूर्नामेंट में से 7 बार यही दो टीमें खिताब जीती हैं। मुंबई सबसे ज्यादा 4, तो चेन्नई तीन बार चैम्पियन बनी है। मुंबई ने पहली बार 2013 में आईपीएल जीता था। इसके बाद 2015, 2017 और 2019 में भी टीम चैम्पियन बनी। दूसरी ओर, महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई ने लगातार दो बार 2010 और 2011 में खिताब जीता था। पिछली बार यह टीम 2018 में चैम्पियन बनी थी। चेन्नई टीम 10 बार आईपीएल का प्लेऑफ खेली है, जबकि 8 बार फाइनल में पहुंचीं है।

सीएसके पांच बार रनरअप रही

चेन्नई सुपरकिंग्स पांच बार(2008, 2012, 2013, 2015 और 2019) आईपीएल की रनरअप रही, जबकि मुंबई इंडियंस एक बार 2010 में रनरअप रही है। आईपीएल के इतिहास में मुंबई की इकलौती टीम है, जिसने सबसे ज्यादा बार चेन्नई को हराया है। दोनों टीमों के बीच अब तक 28 मुकाबले हुए हैं, इसमें से 17 बार मुंबई, तो 11 बार चेन्नई को जीत मिली है।

चेन्नई और मुंबई टीम का शेड्यूल

इस सीजन में चेन्नई टीम 14 में से 7 लीग मैच दुबई में खेलेगी। इसकी शुरुआत 25 सितंबर को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले से होगी। वहीं, मुंबई टीम ने अबु धाबी को अपना बेस बनाया है। यह टीम 14 में से 8 मैच अबु धाबी में खेलेगी।

8 साल में पहली बार 0 पर आउट हुए डेविड वॉर्नर

नई दिल्ली , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के ओपनिंग बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को यूं ही नहीं खतरनाक बल्लेबाजों में शुमार किया जाता है। 20 इंटरनैशनल क्रिकेट में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की फेहरिस्त में 5वें नंबर पर हैं। इस फॉर्मेट में वह बीते 8 सालों से कभी 0 पर आउट नहीं हुए थे लेकिन इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने रविवार को अपनी एक घातक गेंद से उन्हें 0 पर आउट कर दिया। साउथैम्पटन की इस पिच पर पहले गेंदबाजी करने वाली टीम को मदद की उम्मीद थी। इसके बावजूद इंग्लिश कैप्टन एरॉन फिंच ने यहां टॉस जीतकर पहले बैटिंग करना ही पसंद किया। इंग्लैंड को पिच से मिलने वाली इस अडवांटेज का इंग्लिश बोलरों ने लाभ उठाने का कोई मौका नहीं गंवाया और पावरप्ले की ही भीतर उनके 3 खिलाड़ी आउट कर दिए। वॉर्नर इस बार अपना खाता भी नहीं खोल पाए। पिछले मैच में फिफ्टी जड़ने वाले वॉर्नर को आर्चर ने मैच की तीसरी ही गेंद खतरनाक फेंकी, जिसे खेल पाना मुश्किल था। गुड लेंथ की यह गेंद शरीर के करीब आ रही थी, जिसे वॉर्नर अपने शरीर को बचाते हुए बैट अड़ाना चाह रहे थे। लेकिन गेंद उन्हें छकाते हुए उनके ग्लब को चूमती हुई सीधे विकेटकीपर जोस बटलर के हाथ में जा समाई। इंग्लैंड ने इस पर आउट की अपील की और अंपायर ने बेझिझक आउट दे दिया। वॉर्नर को कुछ समझ नहीं आया था उन्हें लगा गेंद उनके ग्लब को नहीं बल्कि एलबो को चूमकर निकली है। उन्होंने तुरंत ही मांग लिया और अपने साथी खिलाड़ी और कप्तान फिंच को बताया कि यह एलबो को छुकर निकली है। लेकिन जब टीवी पर इस रीव्यू को परखा गया तो अल्ट्रा ऐज पर यह साफ हो गया कि गेंद उनके ग्लब को चूम रही थी। यानी वॉर्नर को 0 पर आउट होकर निराश पविलियन लौटना पड़ा। कंगारू टीम ने यहां इंग्लैंड को 158 रन की चुनौती दी थी। जिसे उसने जोस बटलर (77*) के शानदार खेल की बदौलत 7 बॉल बाकी रहते ही अचीव कर लिया।

एक समाज के तौर पर हमने भाई-भतीजावाद का समर्थन किया है: राधिका आप्टे

अभिनेत्री राधिका आप्टे को लगता है कि भाई-भतीजावाद पर संवाद करना बेहद जटिल है। ऐसा न केवल फिल्म उद्योग के बारे में है बल्कि हर जगह है। राधिका ने कहा, मैं इस चर्चा का हिस्सा नहीं बनना चाहती हूं। यह केवल इनसाइडर-आउटसाइडर के बारे में नहीं है। यह एक व्यापक संवाद है, जिसमें किसी एक के जबाव देने से बात नहीं बनेगी। एक समाज के तौर पर, हमने भाई-भतीजावाद का समर्थन किया है। यह सिर्फ फिल्म उद्योग में नहीं है। बदलाव लाने के लिए हम सभी को बदलने की जरूरत है।

बॉलीवुड में पहचान बनाने को लेकर उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इनसाइडर और आउटसाइडर दोनों के लिए ही यहां सफलता पाना मुश्किल है। केवल एक खास परिवार में पैदा होने से सफलता नहीं मिलती है, यह मुश्किल संवाद है। इससे पहले साक्षात्कार में राधिका ने कहा था, मैं यहां केवल प्रसिद्धि पाने के लिए नहीं हूं। हां, कभी-कभी इससे मिलने वाले सुविधाओं को मैं पसंद करती हूं, लेकिन मैं सफलता और असफलता को गंभीरता से नहीं लेती। अभिनेत्री ने कई फिल्मों में न केवल शानदार अभिनय से लोगों का दिल जीता है, बल्कि उन्होंने बॉलीवुड नायिका की रूढ़ीवादी छवि को तोड़ते हुए फोबिया, बदलापुर, मांझी द माउंटेन मैन, लस्ट स्टोरीज, सेक्रेड गेम्स और पैड मैन जैसे प्रोजेक्ट भी किए हैं।

कंगना रनौत को मिलेगी 'वाई' श्रेणी सुरक्षा

फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले की निष्पक्ष जांच की मांग तथा मुंबई पुलिस और बॉलीवुड हस्तियों पर विवादित टिप्पणियों को लेकर सुर्खियों में छाई अभिनेत्री कंगना रनौत पर खतरे की स्थिति के आकलन के बाद केंद्र ने सोमवार को उन्हें 'वाई' श्रेणी सुरक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया।'वाई' श्रेणी सुरक्षा के तहत कंगना मुंबई में रहने के दौरान दो कमांडो और 11 सुरक्षा कर्मियों के घेरे में रहेंगी। कंगना ने इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने ट्वीट करके कहा, कोई भी फासीवादी देशभक्ति की आवाज को कुचलने में सक्षम नहीं होगा, यह इस बात का प्रमाण है। मैं अमित शाह जी के प्रति शुक्रगुजार हूं , जिन्होंने भारत की एक बेटी के शब्दों को, मेरे स्वाभिमान का सम्मान किया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को अभी तत्संबंध में सरकार की ओर से आदेश नहीं मिला है लेकिन वह शीघ्र ही अभिनेत्री को दिये जाने वाली सुरक्षा व्यवस्था का प्रारंभिक आकलन करेगा।

कसौटी जिंदगी के 2 के फैन्स के लिए बुरी खबर,इस दिन होगी शो की हैप्पी एंडिंग

टीवी शो में सबसे ज्यादा पंसद किए जाने वाला मशहूर सीरियल कसौटी जिंदगी के 2 पर मानों जैसे मुसीबतों का पहाड़ टूट गया हो। जी हां पहले ही शो की गिरती हुई टीआरपी की वजह से मेकर्स बहुत ज्यादा दुखी थे कि इस बीच पार्थ समथान ने ये सीरियल छोडने का फैसला सुनाया तो मेकर्स की मुश्किलें और ज्यादा बढ़ गई थीं। अब खबर है कि एकता कपूर के कसौटी जिंदगी के 2 को ऑफएयर करने का फैसला लिया गया है। एक चौनल की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक मेकर्स ने अब इस सीरियल के कलाकारों को शो के बंद होने के बारे में बता दिया है जिस वजह से सभी लोग काफी ज्यादा परेशान हैं। सूत्रों के हवाले से से मिली जानकारी के मुताबिक प्रोड्यूसर्स ने यह फैसला किया है कि इस शो का आखिरी एपिसोड 3 अक्टूबर को शूट किया जाएगा। वहीं पूरी टीम को चौनल का फैसला सुना दिया गया है,जिससे ये खबर सुन न केवल शो के फैंस दुखी हैं,बल्कि इस सीरियल में काम कर करें कालकारों को भी कभी गहरा झटका लगा है। इतना ही नहीं शो में काम कर रहे लोगों को तो अभी तक भी ऐसा लग रहा है कि ये सीरियल किसी भी हालत में बंद नहीं होगा। खबरों की मानें तो बताया गया कि एकता कपूर ने पार्थ को शो में रोकने और उन्हें मनाने की बहुत कोशिश की,मगर कुछ बात बन नहीं पाई।

क्योंकि उन्हें लगा कि यदि पार्थ को रिप्लेस कर दिया गया तो दर्शकों का कनेक्शन टूट जाएगा। वहीं इस शो में आगे दिखया जाएगा अनुराग और प्रेरणा की हैप्पी एंडिंग तो होगी ही, जिस पर अभी भी काम जारी है।बता दें कि कसौटी जिंदगी के 2 के बंद होने के बाद आपको इस शो के बदले चौनल पर साथ निभाना साथिया दिखाया जाएगा।

अक्षय कुमार की लक्ष्मी बॉम्ब को अब थिएटर खुलने का है इंतजार,रद्द हुआ फिल्म को ओटीटी पर रिलीज का प्लान

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार की फिल्मों का पर्दे पर आने का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार होता है। कोरोना संकट के बीच हर जगह लगी तलाबंदी के बाद पिछले 5 महीने से सिनेमा हॉल बंद है,जिस करण कोई भी फिल्म रिलीज नहीं हो पाई है। इसके बदले ज्यादातर फिल्मों को ओटीट पर ही रिलीज कर दिया गया है।इसी लिस्ट में अक्षय कुमार की फिल्म लक्ष्मी बॉम्ब भी शामिल थी जो डिज्नी हॉटस्टार पर अक्षय कुमार के जन्मदिन के खास मौके यानी आने वाली 9 सितम्बर को रिलीज होने वाली थी,मगर फिल्म को लेकर इसकी रिलीज टलने की खबरें आ रही हैं। अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म सूर्यवंशी और लक्ष्मी बॉम्ब को लेकर पहले कहा जा रहा था कि फिल्ममेकर्स अपनी फिल्में ज्यादा टालने के बदले ओटीटी प्लैटफॉर्म पर रिलीज करने की सलाह मना रहे हैं। इसके अलावा खबर यह भी थी कि फिल्म लक्ष्मी बॉम्ब को ओटीटी पर रिलीज किया जाएगा। परंतु अब खबर है कि मेकर्स-ए लिस्ट स्टार की फिल्मों को ओटीटी प्लैटफॉर्म पर रिलीज करने से खुद को बचा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म को लेकर कुछ बातें सामने आई जिसमें सिनेमा हॉल खुलने के बाद ओटीटी और थिएटर में साथ रिलीज को लेकर चर्चा की जा रही है। बता दें कि अक्षय कुमार की लक्ष्मी बॉम्ब 22 मई 2020 को सिनेमा हॉल पर रिलीज होने थी। लेकिन कोरोना महामारी ने सब कुछ तबाह कर दिया। जिसके बाद फिल्म की डेट आगे के लिए पोसपोन हुई,जिसकी तारीख 13 नवंबर यानी दीपावली के मौके पर ओटीटी पर रिलीज के लिए कहा गया।अब एक बार फिर से आप और हम सभी को इंतजार करना होगा कि आखिर अक्षय कुमार की ये मोस्ट अवेटेड फिल्म कब तक ओटीटी या सिनेमा हॉल पर दस्तक देने वाली है। वहीं फिल्म में अक्षय कुमार की बात करें तो एक्टर लक्ष्मी बॉम्ब में किन्नर की भूमिका में नजर आने वाले हैं,जोकि साउथ की हॉरर फिल्म कंचना का बेहतरीन

रिया चक्रवर्ती को मीडियाकर्मियों ने घेरा ऐसे, तापसी पन्नू सहित इन सेलेब्स ने निकाली भड़ास

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में एक्टेस रिया चक्रवर्ती मुख्य आरोपी हैं। एनसीबी ऑफिस के सामने बीते रविवार को रिया पेश हुई थीं। हालांकि रिया सोमवार 7 सितंबर को भी एनसीबी में दूसरे दिन पेश हुई हैं। इस पूछताछ के दौरान रिया ने एनसीबी के सामने खुलाते करते हुए कहा कि ड्रग्स उन्होंने खरीदा और लिया था। मीडियाकर्मियों ने इस दौरान उन्हें बात करने के लिए घेर लिया था। एनसीबी के ऑफिस में रिया घर से बाहर निकलकर पहुंची तो उस दौरान उन्हें मीडियाकर्मियों ने घेर लिया। रिया का बयान लेने के लिए कई मीडियाकर्मियों ने चलती गाड़ी की भी परवाह नहीं की। रिया चक्रवर्ती के साथ मीडियकर्मियों के इस व्यवहार पर कई सितारों ने गुस्सा जाहिर किया। एक्ट्रेस गौहर खान, तापसी पन्नू, स्वरा भास्कर,ऋचा चड्ढा और अनुभव सिन्हा सहीत की सेलेब्स और फिल्ममेकर्स ने मीडियकर्मियों के इस व्यवहार की कड़ी आलोचना की। कोरोना वायरस महामारी के भी नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए मीडियकर्मी दिखाई दिए। तापसी पन्नू ने इस पर ट्वीट करते हुए लिखा, न्याय के नाम पर ये लोग दोषी साबित होने से पहले एक शख्स के जीवन के अधिकार को मार देंगे। दूसरी तरफस्वरा भास्कर ने लिखा, भारत.....हमारी कमियों का गवाह है!विच हंट शर्मनाक है। सुशांत सिंह राजपूत केस की जांच सीबीआई, ईडी और एनसीबी कर रही है। रिया चक्रवर्ती रविवार को एनसीबी के सामने पेश हुई थीं और आज सोमवार को भी पेश हुई। ईडी ने जब रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शौविक चक्रवर्ती की व्हाट्सएप चौट की जांच की और उसमें ड्रग्स का एंगल सामने आया उसके बाद एनसीबी ने इस मामले की जांच करनी शुरु की। खबरों की मानें तो आने वाले समय में रिया चक्रवर्ती की मुसीबतें बढ़ती नजर आ रही हैं। बता दें कि एनीसीबी ने सुशांत मामले में एक्टर के हेल्पर दीपेश सावंत, रिया के भाई शौविक चक्रवर्ती और हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा को ड्रग्स की लेन-देन में गिरफ्तार किया है। बता दें कि गौरव आर्या होटलों की दुनिया में फेमस नाम है। इस मामले में उनका नाम भी सामने आया है। इसके अलावा इस मामले में कई बार टैलेंट मैनेजर जया साहा का नाम भी सामने आ गया है।घ्सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर श्रुति मोदी की चौट ड्रग्स को लेकर सामने आई है। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के केस में रिया चक्रवर्ती के साथ इन सभी लोगों को मुख्य आरोपी के तौर पर देखा जा रहा है।

गुरु दत्त की बायोपिक बड़े पर्दे पर ही रिलीज की जा सकती है: भावना तलवार

नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्मकार भावना तलवार दिवंगत प्रतिष्ठित फिल्म निर्माता व अभिनेता गुरु दत्त की बायोपिक का निर्देशन करने के लिए तैयार हैं। बायोपिक का शीर्षक प्यासा है। तलवार अपनी फिल्म के लिए कलाकारों को चुनने की प्रक्रिया में हैं। दत्त का जीवन गहन और जटिल रहा है, इसलिए इस कहानी को लिखने में तलवार को सात साल लग गए। फिर भी इस बायोपिक को वेब सीरीज फॉरमेट में बताते की बजाय, उन्होंने विस्तृत कहानी को फीचर फिल्म के तौर पर पेश करने का विकल्प चुना है। तलवार ने कहा, उनका व्यक्तित्व लार्जर दैन लाइफकी तरह था और मात्र 10 सालों के भीतर ही उन्होंने एक फिल्म निर्माता के तौर पर सफलता, अभिनेता के तौर पर सफलता, अपने सिनेमा की व्यावसायिक सफलता, एक अभिनेता के रूप में अपने प्रशंसकों की प्रशंसा और गीता दत्त के साथ लगाव और फिर पत्नी के तौर पर उन्हें पाना, सब कुछ पा लिया था। हालांकि इसके साथ ही उन्होंने दुख भी देखा। आप इसे छोटे पर्दे में नहीं दिखा सकते हैं। यह एक फीचर फिल्म प्रारूप के योग्य है। उन्होंने आगे कहा, कहानी को 10 घंटे की कहानी के तौर पर पेश करने की आवश्यकता नहीं है। उनकी यात्रा आकर्षक है और बड़े पर्दे पर दिखाने के काबिल है। विस्तृत शोध कार्य के लिए मुझे सात साल लग गए, और एक आकर्षक कहानी लिखने के लिए कई विचार-विमर्श हुए, जो न सिर्फमुझे और मेरी टीम को, बल्कि एक नई पीढ़ी के दर्शकों को भी पसंद आएगी और वे फिल्म देखने के लिए थिएटर जाना चाहेंगे। अपनी फिल्म में भावना ने गुरु दत्त को एक टेलीफोन ऑपरेटर से भारतीय सिनेमा के एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में परिवर्तित होने के सफर को दिखाया है। उन्होंने आगे कहा, एक दिलचस्प बात यह है कि कैसे उनके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन आपस में जुड़ गए। गीता दत्त से उनकी मुलाकात फिल्म बाजी के दौरान हुई और ये दोनों नवोदित प्रतिभाए स्टार बन गए और शादी कर ली, और उनके व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन एक-दूसरे में झलकते नजर आए। यह काफी रोचक यात्रा है।

सोशल मीडिया फेक फॉलोवर्स स्कैम

पॉपुलर रैप सिंगर बादशाह फेक फॉलोवर्स खरीदने के आरोप के बाद से ही सुर्खियों में बने हुए हैं। बादशाह पर आरोप है कि उन्होंने वर्ल्ड रिकॉर्ड ब्रेक करने के लिए अपने लेटेस्ट गाने पागल के लिए फेक फॉलोवर्स और व्यूज खरीदे थे। इस मामले में जब मुंबई पुलिस ने छानबीन की तो 20 से ज्यादा पॉपुलर हस्तियों के नाम ऐसे स्कैम में सामने आए हैं। बादशाह ने इस बात को खुद स्वीकार किया है कि उन्होंने 72 लाख रुपए में 7.2 करोड़ व्यूज खरीदे थे। अब इस मामले में रैपर हनी सिंह का बयान सामने आया है जिसमें उन्होंने बादशाह का पक्ष लिया है। हाल ही में आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में हनी सिंह ने बादशाह का नाम लिए बिना कहा, मैंने कई रैपर्स के बारे में अफवाह सुनी हैं जो अपने गानों के लिए फेक फॉलोवर्स और व्यूज खरीदते हैं। मैं बस ये कहना चाहता हूं कि जब मैंने अपने करियर की शुरुआत की थी और मुझे पॉपुलैरिटी मिल रही थी तब भी लोगों ने मुझ पर कई आरोप लगाए थे। अब भी ये सिर्फ आरोप हैं और कुछ भी साबित नहीं हुआ है इसलिए हमें इसके निष्कर्ष पर नहीं पहुंचना चाहिए। ये तरक्की की निशानी हैः हनी सिंह हनी सिंह ने आगे कहा कि ये तरक्की की निशानी है। जिस आर्टिस्ट पर ये आरोप लगे हैं मैं उन्हें अपनी तरफ से बधाई देना चाहता हूं क्योंकि वो तरक्की कर रहे हैं और ये सिर्फ आरोप हैं। मैं इसपर ज्यादा कुछ नहीं कह सकता हूं। बादशाह और हनी सिंह शुरुआत से ही एक दूसरे के प्रतिद्वंदी रहे हैं ऐसे में हर कोई हनी सिंह का बयान सुन हैरान है। विवादित लिरिक्स और फिर म्यूजिक एलबम के गानों से पॉपुलैरिटी हासिल करने वाले हनी सिंह ने बॉस और चेन्नई एक्सप्रेस जैसी बेहतरीन फिल्मों में गाने दिए हैं। विवादों के बाद इंडस्ट्री से दूर होने वाले हनी सिंह ने साल 2019 में दोबारा मखना गाने से धमाकेदार वापसी की है। जिसके बाद उनका गाना बिल्ले तू आग है हाल ही में रिलीज हुआ है।

अर्जुन कपूर के बाद मलाइका अरोड़ा हुई कोरोना पॉजिटिव,खुद हुई घर में क्वारंटाइन

करीब 6 महीने बीत जानें के बाद भी कोरोना सकंट अभी तक टला नहीं है। अब कोरोना की चपेट में केवल आम लोग ही नहीं बल्कि बॉलीवुड कलाकार भी इस वायरस का शिकार हो रहे हैं। जहां बीते दिन अर्जुन कपूर ने अपने कोरोना पॉजिटिव होने की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की तो वहीं अब खबर है कि उनके बाद अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा भी कोरोना संक्रमित पाई गई हैं। इस बात की जानकारी अभिनेत्री की छोटी बहन अमृता अरोड़ा ने निजी चौनल को दी है। दरअसल मलाइका अरोड़ा इन दिनों डांस रिएलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर जज कर रही हैं। बताते चलें कि मलाइका के शो इंडियाज बेस्ट डांसर्स के सेट पर भी 7 से 8 लोग कोरोना संक्रमित होने की खबर आई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक छोटी बहन के बाद मलाइका ने खुद से भी इस खबर की पुष्टि कर दी है कि वो कोरोना पॉजिटिव पाई गई है। मलाइका ने कहा हां...मेरी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मैंने घर में खुद को क्वारंटाइन कर लिया है। बता दें कि मलाइका अरोड़ा से पहले अर्जुन कपूर कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे,जिसके बाद एक्टर ने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए जानकारी देते हुए एक पोस्ट शेयर की जिसमें उन्होंने लिखा,सबको यह बताना मेरी ड्यूटी है कि मेरा कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। मगर मैं स्वस्थ हूं और मेरे अंदर कोई लक्षण नहीं है। डॉक्टर्स एंव प्राधिकरण की सलाह से मैंने खुद को अपने घर में ही आइसोलेट किया हुआ है और अब मैं होम क्वारंटीन में रहूंगा। मैं पहले से ही आप सब लोगों के सपोर्ट के लिए शुक्रिया करता हूं। साथ ही आने वाले दिनों में अपनी तबियत को लेकर आप लोगों को अपडेट करता रहूंगा। ये असाधारण और अभूतपूर्व वक्त है और मुझे पूरा यकीन है कि पूरी इंसानियत इससे जरूर बाहर निकल जाएगी। इन स्टार्स की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो मलाइका इन दिनों इंडियाज बेस्ट डांसर में बतौर जज काम कर रही हैं। तो वहीं अर्जुन कपूर ने कुछ दिनों पहले अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग शुरू की थी।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।